This is a digitally signed gazette, to verify click here.

राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, बुधवार 23 मई, 2012/2 ज्येष्ठ, 1934

हिमाचल प्रदेश सरकार

LABOUR AND EMPLOYMENT DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla- 171 002, the 19th May, 2012

No. Shram (B) 1- 3/2005-Estt.—The Governor, Himachal Pradesh in exercise of the powers conferred under section-8 of the Industrial Disputes Act, 1947 (Act no. 14 of 1947) and in consultation with the Hon'ble High Court, Himachal Pradesh, is pleased to appoint Shri Purender Vaidya , presently posted as Additional District and Session Judge(II), Kangra at Dharamshala as Presiding Officer of the Labour Court- cum- Industrial Tribunal, Shimla on deputation basis with immediate effect. The period of deputation will be two years in the first instance.

The deputation period will be governed by the terms and conditions of deputation as specified by the Hon'ble High Court vide letter No. HHC/Admn. 28 (27) 80-1530, dated 7th December, 1989 from the Registrar, Hon'ble High Court of Himachal Pradesh.

By order,
Sd/-
Pr. Secretary (Lab. & Emp.).

अपारम्परिक ऊर्जा स्त्रोत विभाग

अधिसूचना

शिमला, 22 मई, 2012

संख्या : एन.ई.एस.–एफ–(5)–2 / 2012.–यतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल को यह प्रतीत हेाता है कि मैसर्ज. भवानी रिन्युवेबल एनर्जी प्राईवेट लिमिटिड, डी–21, प्रथम तल, पन्चशील एन्कलेव, नई दिल्ली–110017 जो कि भूमि अर्जन अधिनियम, 1894 (1894 का पहला अधिनियम) की धारा–3 के खण्ड (ई) के अन्तर्गत एक निजी कम्पनी है, के द्वारा अपने व्यय पर कम्पनी के प्रयोजन हेतू नामतः मुहाल माधोनगर व हरेर, तहसील बैजनाथ, जिला कांगड़ा हि0 प्र0 में बिनवा–IV (5 मैगावाट) लघु जल विद्युत परियोजना के निर्माण हेतु भूमि अर्जित करनी अपेक्षित है, अतएव एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि उक्त परिक्षेत्र में जैसा कि निम्न विवरणी में निर्दिष्ट किया गया है उपरोक्त प्रयोजन के लिए भूमि का अर्जन अपेक्षित है।

2. यह अधिसूचना ऐसे सभी व्यक्तियों को जो इससे सम्बन्धित हैं या हो सकते हैं की जानकारी के लिए भू–अर्जन अधिनियम, 1894 की धारा–4 के उपबन्धों के अन्तर्गत जारी की जाती है ।

3. पूर्वोक्त धारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश इस समय इस अभिकरण में कार्यरत सभी अधिकारियों उनके कर्मचारियों और श्रमिकों को इलाके की किसी भी भूमि में प्रवेश करने और सर्वेक्षण करने और उस धारा द्वारा अपेक्षित अथवा अनुमतः सभी अन्य कार्यों को करने के लिए सहर्ष प्राधिकार देते हैं।

4. कोई भी हितबद्ध व्यक्ति जिसे उक्त परिक्षेत्र में कथित भूमि के अर्जन पर कोई आपत्ति हो तो वह इस अधिसूचना के प्रकाशित होने के 30 दिनों की अवधि के भीतर लिखित रुप में भू अर्जन समाहर्ता एवं उप–मण्डलाधिकारी (ना.) बैजनाथ, जिला कांगड़ा हि0 प्र0 के समक्ष अपनी आपत्ति दायर कर सकता है।

विवरणी

जिला	तहसील	गांव	खसरा नम्बर	रकवा (हैक्टेयर में)
कांगड़ा	बैजनाथ	माधोनगर	1498	0–01–04
			1520	0–05–64
			1519 / 1	0–02–12
			1523 / 1	0–00–35
			1578 / 2	0–04–80
			1578 / 4	0–00–63
			700 / 2	0–00–85

700 / 4	0–01–54
704 / 1	0–04–33
701 / 2	0–00–32
किता–8	कुल रकवा 0–21–62

आदेश द्वारा,
हस्ताक्षरित / –
प्रधान सचिव (एन.ई.एस.)।

————————

RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-9, 17th May, 2010

No. RDD-A(3)-1/2002.—The Governor, Himachal Pradesh is pleased to order nomenclature of 12 (Twelve) posts of Project Officers(DRDAs) and 07(Seven) posts of Project Directors(DWDA's/SLNA and NRLM) from senior most Block Development Officers borne in the cadre of Rural Development Department to that of Deputy Director–cum-Project Officer and Deputy Director-cum-Project Director respectively in the pay scale of Rs. 10300-34800 + Grade pay of Rs. 5400/- subject to the following conditions:-

1. These officers shall be posted in DRDA's/ DWDA's/SLNA and NRLM and their salary shall be charged to concerned Agencies.

2. The promotions to these posts will be made as per existing R&P Rules for the post of Deputy Director (RD).

3. The placement of these officers shall be on Ex-cadre basis.

This issue with the prior concurrence of the Finance Department obtained vide their U.O. No. 52085980-Fin-F/2012 dated 23.02.2012.

By order,
S. K. B. S. NEGI,
Secretary (RD).

————————

श्रम एवं रोजगार विभाग

अधिसूचना

शिमला–2, 19 मई, 2012

संख्या श्रम (ए) 1–2 / 2009(एम.डब्लयू.).–हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल की यह राय है कि सड़क और भवन क्रिया निर्माण, पत्थर पिसाई / क्रशिंग / पत्थर तुड़ान के अनुसूचित नियोजन की बाबत अकुशलता और अन्य वर्गों के कामगारों की न्यूनतम दैनिक मजदूरी की दरों को 01.04.2012 से निम्न प्रकार से पुनरीक्षित किया जाए ।

अतः राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश न्यूनतम मजदूरी अधिनियम, 1948 (1948 का अधिनियम संख्या 11) की धारा 5 व उप–धारा (1)(बी) के अधीन प्रदत शक्तियों का प्रयोग करते हुए सड़क और भवन क्रिया निर्माण,

पत्थर पिसाई/क्रशिंग/पत्थर तुड़ान नियोजन में अकुशल कामगारों की न्यूनतम मजदूरी की दरों में वृद्धि के प्रस्ताव को प्रकाशित करते हैंः–

कामगारों का वर्ग		पुनरीक्षित मजदूरी दैनिक	न्यूनतम मसिक
1		2	3
अकुशल कामगार : भिशती/चिमनी क्लीनर/चौकीदार/डिस्टेम्परर ग्रेड–।।/फिटर गलैजियर / पलम्बर का हैल्पर या–वर्कशाप / राक कटिंग लेबर/स्टोन ब्रेकर/स्टोन चिस्लर/स्वीपर/बिटुमन के लिये स्प्रे मैन/पाइप लाईन मैन /इलैक्ट्रिकल कुली /सिक्योरिटी–गार्ड/ बेलदार / क्लीनर ट्रैक्टर / रोड़ रोलर व कंकरीट मिक्सर/ मजदूर सर्वे बॉय/ वाचमैन /पीअॅन वाचमैन / टी बॉय / पीअॅन ड्रेसर्ज / आयल मैन / ग्रीसर / मैस हेल्पर्ज / बॉय / हैल्पर (0 से 5 साल) /खलासी (0 से 3 साल)/बिल डिस्ट्रीब्यूटर/ मक्कर ।		रु॰. पै॰ 130.00	रु॰. पै॰ 3900.00
अर्द्धकुशल कर्मकारः कारपेन्टर ग्रेड–।।/ मैसन ग्रेड–।।/ स्यूअर मैन / बलैक स्मिथ ग्रेड–।। /सैनिटरी फिटर ग्रेड–।।/पेन्टर/मैल्टर मेट/सड़क का स्प्रे–मैन/ क्रेन–मैन / बधाणी / अपहोल–स्टर / फिटर एटैन्डेन्ट/ ब्लैक स्मिथ (बोट मैन) / क्रेन–मैन / डिस्टैम्परर ग्रेड– ।। फिटर ग्रेड– ।। / फलोर–पालिशर / स्टोन ड्रेसर्ज/ माली / बैल–सिंकर / वाइट–वाशर/टी॰मेट/वर्कशाप मैकेनिक ग्रेड– ।। , टर्नर–ग्रेड– ।। / पाइप फिटर ग्रेड–।। / ब्रिक मोल्डर/सहायक फिटर/सहायक फायर मैन/सहायक वैलडर/ सहायक टर्नर / वैटरी चार्जर / डैसर्ज / (अर्हित/अनुभवी)/ हैमर मैन / कुक / वल्कनाईज़र/नोजल मैन / टनल मैन / एलाए ट्रोली आपरेटर / एटेन्डैन्ट (स्टोर आफिस) मकैनिकल एटैन्डैन्ट / टनल जुबली मैन /टनल–मैन/हैल्पर (5 साल या अधिक) आयल–क्लीनर / नावगाणी / मेट / हैड–वाचमैन/ सहायक–लैवलर / खलासी (3 से 8 साल) /स्टोन–ड्रैसर्ज/ पम्प–एटैन्डेन्ट / आटो इलैक्ट्रिशियन ग्रेड– ।। / गार्डनर / गाज–रीडर/सहायक लैव एटैन्डेन्ट / औटो इलैक्ट्रीशियन/ मोटर–मेट / इनक्वाअरी एटैन्डेन्ट / टेलीफोन एटैन्डेन्ट, आई॰टी॰आई प्रमाण पत्र धारक ।		रु॰. पै॰ 143.00	रु॰. पै॰ 4290.00
स्टोन–ब्रेकर /राक ब्रेकर/स्टोन–कैरियर	1–1/2'' से 2'' पुरुष 1–1/4''	रुपये 978.00 फुट रुपये 1096.00	
कुशल कामगार : कारपेन्टर ग्रेड–। /मैसन ग्रेड– /ब्लैक स्मिथ ग्रेड /सेनिटरी फिटर ग्रेड–। /अप–होलसल्टर ग्रेड–। /सहायक पम्प ओपरेटर/ पम्प ओपरेटर / पम्प ड्राइवर / चार्जमैन– ग्रेड. ।। /जल आपूर्ति/ फिटर/ कारपेन्टर–ग्रेड–।। फर्नीचर/काम्प्रेसर आपरेटर/		रु॰. पै॰ 163.79	रु॰. पै॰ 4914.00

काम्प्रेसर ड्राइवर / दर्जी या टेलर ग्रेड–। / दर्जी या टेलर ग्रेड– ।। /क्रशर ड्राइवर /फिटर ग्रेड–।। / अलंकारिक कार्य के लिये स्टोन–ड्रेसर / पलम्बर ग्रेड– ।। /पाइप फिटर ग्रेड–1/ आटो ड्राइवर / सहायक मकैनिक / मिक्सर ड्राइवर / मिक्सर–आपरेटर /संरचानात्मक फिटर ग्रेड–।। / वर्कशाप फिटर/ जनरेटर आपरेटर / जनरेटर–ड्राइवर / प्लांट शाप फिटर / डीजल इंजन फिटर / ट्राली लाइन फिटर / क्रशिग प्लांट फिटर (वी॰) / प्लांट फिटर / जैक हैम्पर फिटर / इलेक्ट्रीकल फिटर / बन्च फिटर / शोपर / / आटो फिटर / पाइप लाइन फिटर / रिफ्रिजरेटर प्लांट फिटर / ट्रेक्टर–आपरेटर/ शाफट माइनर / कोच रिंग आपरेटर / डोजर आपरेटर / रोकलेन आपरेटर/ सक्रेपर–आपरेटर / लोडर आपरेटर / क्रेन–आपरेटर / युकलिड–आपरेटर / बैगन ड्रिलर आपरेटर / बोरिंग–आपरेटर / एस॰एल॰डी॰ क्रेन आपरेटर (बी॰) / प्लांट–आपरेटर / आइस प्लांट आपरेटर या बैल्डर /गैस कटर / टर्नर / ब्लैक स्मिथ /टिन स्मिथ / ट्रैक्शन बैटरी चार्जर / लाइनमैन (लाइसैन्स सहित) / सहायक लाइनमैन (लाइसैंस सहित) / टेलीफोन आपरेटर / खलासी (खालसी) जमादार / बाइन्डर/ब्लारूटर ड्रिलर /बिन्च फिटर गलासटर / ड्रिलर / कम्पाउन्डर (अनर्हित) / पेन्टर / मिलर /क्लाइमबर / मोल्डर /लेवर रसोसमिल/कटर /केबल जवाइन्टर/ फोरमैन ग्रेड–11 /खलासी (8 साल व अधिक) / ट्रेसर आपरेटर / ई॰एम॰ई॰ / ड्राइवर / कमप्रेशर/ लोको–आपरेटर / रौकर शावल आपरेटर / स्नो कटर आपरेटर / गलेजड टाइपड कार्य के लिए मैसन /होल डिलर / / वर्क–मिस्त्री / मोटर–मेट / टैक्टर ड्राइवर /टेलीफोन मकैनिक/ डी॰जी॰सेट॰ आपरेटर / वायरलैस मैन आपरेटर / वर्कशाप फोर मैन–।।

अति कुशल मजदूरः	रु॰ पै॰	रु॰ पै॰
केवल फर्नीचर के लिये कारपेन्टर / वर्कशाप मकैनिक ग्रेड– । / चार्ज मैन ग्रेड– ।/ वर्कषाप फोरमैन ग्रेड– । / टर्नर ग्रेड– । / मकैनिक आल राउन्डर आपरेटर / मैसन/मिस्त्री और कारपेन्टर मिस्त्री / इलैकट्रीशन / संरचनात्मक फिटर ग्रेड– । / सर्वेयर / ड्राफटस–मैन (सिविल) / (मकैनिकल) / सहायक फोरमैन / मकैनिस्ट/ कम्पाउन्डर (अर्हित) / रोड रोलर / ड्राइवर / बुल–डोजर ड्राईवर/ ड्राफटस–मैन / वायरमैन / आटो इलैकट्रीशियन इलैक्ट्रीशियन / कैमिकल एनालाइजर	209.94	6298.00

लिपिक और गैर तकनीकी पर्यवेक्षण (कर्मचारिवृंद) स्टाफः

बिटुमैन टायर इन्सपैक्टर / रोड इन्सपैक्टर / वर्क इन्सपैक्टर / स्टोर–कीपर / स्टोर–मुंशी सुपर वाइजर /मीटर –रीडर/लैजर बुकिंग कलर्क /बिल–क्लर्क /इरीगेशन बुकिंग कलर्क/पटवारी/ कम्पलेंट एटैन्डेन्ट / फैरो–प्रिटंर / ड्राइवर (जीप / कार / ट्रेक्टर) /क्लर्क/मैकेनिकल इंसपैक्टर/सहायक स्टोर कीपर/ लेखा–लिपिक / स्टनोग्राफर	163.79	4914.00

नोट :

1. समान और इसी प्रकार के कार्य के लिये पुरुष या महिला और व्यस्क या अव्यस्क की न्यूनतम मजदूरी में कोई भिन्नता नहीं होगी।

2. शिक्षु/प्रशिक्षणार्थियों की मजदूरी प्रशिक्षता अधिनियम,1961 (1961 का 52) के अर्न्तगत विनियमित की जाएगी ।

3. जहां किसी कार्य का वर्ग मात्रानुपाती कार्य के आधार पर किया जाता हो, वहां विशेष प्रकार के कार्य के लिए विहित समय दर मंजूर की जाएगी ।

4. सुरंग के अन्दर कार्यरत कर्मकारों की मजदूरी की न्यूनतम दरों को 20 प्रतिशत की बढोतरी से अधिक और उपर अनुज्ञेय होगी ।

5. यदि अनुसूचित नियोजन में नियोजित कर्मकारों के किसी प्रवर्ग के विनिर्दिष्ट रुप से वर्णित नहीं किया गया है तो कर्मकारों के ऐसे प्रवर्ग के लिए जो उसी प्रकार की कुशलता रखते हों समरुप प्रवर्ग के लिये नियत न्यूनतम मजदूरी दर से कम मजदूरी संदत नहीं की जायेगी।

अकुशल/अर्द्ध–कुशल/कुशल/उच्च–कुशल की परिभाषा इस प्रकार होगी :

(1) **अकुशलः** अकुशल कर्मचारी वह कर्मचारी है जो ऐसे कार्य करता है जिसमें सामान्य कर्तव्यों के अनुपालन अन्तर्वलित है जिसमें कम अनुभव या कोई स्वतन्त्र निर्णय या पूर्व अनुभव की बहुत आवश्यकता नहीं पड़ती, यद्यपि व्यवसायिक परिस्थितियों से परिचित होना आवश्यक होता है । उस का कार्य शारीरिक परिश्रम (प्रयास) के अलावा उसे विभिन्न वस्तुओं या माल से भी परिचित होना चाहिए ।

(2) **अर्द्ध–कुशलः** अर्द्ध–कुशल कर्मकार वह कर्मकार है जो सामान्यतः रोजमर्रा का निश्चित स्वरूप का काम करता हो जिसमें कि उससे निर्णय बुद्धि कुशलता की अपेक्षा न उचित निवर्हन के कार्य के लिए और जहां महत्वपूर्ण निर्णय अन्य द्वारा किया जाता हो किन्तु उसे समुनुदंशित कर्तव्यों के या सम्बन्धित छोटे इस प्रकार उसका कार्य क्षेत्र सीमित रोजमर्रा के कार्यों के करने तक ही सीमित होगा ।

(3) **कुशलः** कुशल कर्मचारी वह कर्मचारी है जो विचारणीय स्वतन्त्रत निर्णयों का प्रयोग दक्षतापूर्ण कार्य करने में सक्षम हों और अपने कर्तव्यों का जिम्मेदारी से पालन कर सके । वह व्यवसाय, शिल्प या उद्योग जिसमें, वह नियोजित किया गया हो, का पूर्ण एवं विस्तृत ज्ञान रखता हो ।

(4) **उच्च–कुशलः** उच्च–कुषल कर्मकार वह कर्मकार है जो कार्य को दक्षतापूर्ण करने में सक्षम हो और जो कुषल कर्मचारियों के कार्य को दक्षतापूर्ण पर्यवेक्षण कर सके ।

उपाबन्ध "क" में यथा दर्षाये गये अनुसूचित जन–जाति क्षेत्रों में लगे/कार्यरत व्यक्तियों की बाबत उपर्युक्त दरों से अधिक बढ़ोतरी अनुज्ञेय होगी।

————————

उपाबन्ध 'क'

☞ निम्नलिखित प्रगणित अनुसूचित जनजाति क्षेत्रों में मजदूरी की न्यूनतम दरों से 25 प्रतिशत की बढोतरी से अधिक अनुज्ञात होगी।

जिला लाहौल एवं स्पिति, जिला किन्नौर, जिला चम्बा की भरमौर व पांगी तहसीलें

अतः प्रस्ताव को उन सभी व्यक्तियों की सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है जिन्हें इससे प्रभावित होने की सम्भावना है और इस अधिसूचना के राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित होने की तारीख से दो मास के

अवसान के पश्चात इन पर विचार किया जायेगा । उपरोक्त प्रस्ताव से सम्बन्धित कोई आक्षेप / सुझाव उपरोक्त समयावधि समाप्त होने से पूर्व श्रमायुक्त, हिमाचल प्रदेश, षिमला–171001 को भेजे जा सकेंगे ।

आदेश द्वारा,
हस्ता0 / –
प्रधान सचिव (श्रम एवं रोजगार)।

श्रम एवं रोजगार विभाग

अधिसूचना

शिमला–2, 19 मई, 2012

संख्या श्रम (ए) 1–2 / 2009(एम.डब्लयू.) 11.–हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल की यह राय है कि लोक मोटर परिवहन के अनुसूचित नियोजन की बाबत अकुशलता और अन्य वर्गों के कामगारों की न्यूनतम दैनिक मजदूरी की दरों को 01.04.2012 से निम्न प्रकार से पुनरीक्षित किया जाए ।

अतः राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश न्यूनतम मजदूरी अधिनियम,1948 (1948 का अधिनियम संख्या 11) की धारा 5 व उप–धारा (1)(बी) के अधीन प्रदत शक्तियों का प्रयोग करते हुए लोक मोटर परिवहन नियोजन में अकुशल कामगारों की न्यूनतम मजदूरी की दरों में वृद्धि के प्रस्ताव को प्रकाशित करते हैंः–

	कर्मकारों का वर्ग	पुनरीक्षित न्यूनतम मजदूरी दैनिक	पुनरीक्षित न्यूनतम मजदूरी मासिक
(क)	**जनरल स्टाफः**		
	अकुशल :	रु॰. पै॰	रु॰. पै॰
	चपरासी / चौकीदार /स्टोर–हैल्पर / स्वीपर / पोर्टर तथा दफ्तरी	रू॰130.00	3900.00
(ख)	**वर्कशाप–स्टाफ (अकुशल)**	रु॰. पै॰	रु॰. पै॰
	वर्कशाप मजदूर जिसका कोई अनुभव नही	130.00	3900.00
	अर्द्ध–कुशल :	137.79	4134.00

1 सहायक इलैक्ट्रीशियन
2 सहायक मकैनिक
3 सहायक फिटर
4 सहायक ब्लैक स्मिथ
5 सहायक कारपेंटर
6 सहायक वैल्डर
7 सहायक टर्नर
8 सहायक बोरिंग बारमैन
9 सहायक मशीनिस्ट
10 सहायक कुशन–मेकर
11 सहायक बोल्केनाइजर
12 सहायक पेंटर

13 सहायक अपहोलस्टर
14 सहायक टायरमैन
15 सहायक स्प्रेमैन
16 सहायक इलैक्ट्रीशियन मकैनिक
17 सहायक रिटीडर
18 वर्कशाप मजदूर (जिसके पास आ॰ई॰टी॰ आई का डिप्लोमा हो या दो वर्ष का प्रोवेशन पीरियड हो, जिसके पास आई॰ टी॰ आई॰ का डिप्लोमा नहीं) ।
19 सहायक मोल्डर

कुशलः

मकैनिक/फिटर/इलैक्ट्रीशियन/ब्लैक स्मिथ/कारपेन्टर/वैल्डर/बोरिंग–वायरमैन/टरनर/मशीनिस्ट/कुशल मेकर टिनस्मिथ/वालकेनाइजर/पेंटर/अपहोल्सटर सौर्टर/इलैक्ट्रीशियन/मकैनिक/रिट्रीडर /मोल्डर	रु. 158.37 प्रतिदिन या 4751 प्रतिमाह

उच्च कुशलः

वर्कशाप स्टाफ हैड मकैनिक कारबोरेटर हैंड इलैक्ट्रीशियन / गैरेज सुपर वाईजर जनरल स्टाफ (क्लैरिकल) इत्यादि ।	रु॰ 183.94 प्रतिदिन या 5518 प्रतिमाह

ग्रुप –ए

आउट ऐजेंट / आउट एजेंसी क्लर्क /टाइपिस्ट/स्टैनो टाइपिस्ट / टाइपिस्ट स्टोर /डे बुक राइटर/ क्लर्क / सहायक कैशियर/बुकिंग–क्लर्क/रिस्टोरर / लैजर कीपर / पैट्रोल पम्प अटैन्डेन्ट ।	रु॰ 157.94 प्रतिदिन या 4738 प्रतिमाह

ग्रुप–बी

मुख्य–निरीक्षक/स्वागतकर्ता/निरीक्षक/चैकर/आशुलिपिक ए ग्रुप / स्टेशन सुपरवाइजर/सहायक स्टोरकीपर ए ग्रेड/लेखाकार/कैशियर/टायर–निरीक्षक ।	रु॰ 178.18 प्रतिदिन या 5106 प्रतिमाह

	रु॰ 157.94 प्रतिदिन या	
ग्रुप–सी	4738 प्रतिमाह	रु॰ 215.08 प्रतिदिन
हैड एसिस्टैण्ट / मुख्य–लिपिक / ओडिटर / हैड–कैशियर ।		या 6453 प्रतिमाह

रंनिग–स्टाफ

1	ड्राइवर	रु॰ 186.70 प्रतिदिन या 5601 प्रतिमाह
2	कन्डकटर	रु॰ 165.09 प्रतिदिन या 4953.00 प्रतिमाह
3	कलीनर–कम–कन्डकटर	रु॰ 147.70 प्रतिदिन या 4431.00 प्रतिमाह
4	पार्ट टाइम बुकिंग क्लर्क	रु॰ 48.74 प्रतिदिन या 1462.00 प्रतिमाह

नोट :

1. समान और इसी प्रकार के कार्य के लिये पुरुष या महिला और व्यस्क या अव्यस्क की न्यूनतम मजदूरी में कोई भिन्नता नहीं होगी।

2. शिक्षु / प्रशिक्षणार्थियों की मजदूरी प्रशिक्षता अधिनियम,1961 (1961 का 52) के अर्न्तगत विनियमित किया जाएगा ।

3. जहां किसी कार्य का वर्ग मात्रानुपाती कार्य के आधार पर किया जाता हो, वहां विशेष प्रकार के कार्य के लिए विहित समय दर मंजूर की जाएगी ।

4. यदि अनुसूचित नियोजन में नियोजित कर्मकारों के किसी प्रवर्ग के विनिर्दिष्ट रुप से वर्णित नहीं किया गया है तो कर्मकारों के ऐसे प्रवर्ग के लिए जो उसी प्रकार की कुषलता रखते हों समरुप प्रवर्ग के लिये नियत न्यूनतम मजदूरी दर से कम मजदूरी संदत नहीं की जायेगी।
अकुशल / अर्द्ध–कुशल / कुशल / उच्च–कुशल की परिभाषा इस प्रकार होगी :–

(1) **अकुशलः–**अकुशल कर्मचारी वह कर्मचारी है जो ऐसे कार्य करता है जिसमें सामान्य कर्तव्यों के अनुपालन अन्तर्वलित है जिसमें कम अनुभव या कोई स्वतन्त्र निर्णय या पूर्व अनुभव की बहुत आवश्यकता नहीं पड़ती, यद्यपि व्यवसायिक परिस्थितियों से परिचित होना आवश्यक होता है । उस का कार्य शारीरिक परिश्रम (प्रयास) के अलावा उसे विभिन्न वस्तुओं या माल से भी परिचित होना चाहिए ।

(2) **अर्द्ध–कुशलः–**अर्द्ध–कुशल कर्मकार वह कर्मकार है जो सामान्यतः रोजमर्रा का निश्चित स्वरूप का काम करता हो जिसमें कि उससे निर्णय बुद्धि कुशलता की अपेक्षा न उचित निवर्हन के कार्य के लिए और जहां महत्वपूर्ण निर्णय अन्य द्वारा किया जाता हो किन्तु उसे समुनुदंशित कर्तव्यों के या सम्बन्धित छोटे इस प्रकार उसका कार्य क्षेत्र सीमित रोजमर्रा के कार्यो के करने तक ही सीमित होगा ।

(3) **कुशलः–**कुशल कर्मचारी वह कर्मचारी है जो विचारणीय स्वतन्त्रत निर्णयों का प्रयोग दक्षतापूर्ण कार्य करने में सक्षम हों और अपने कर्तव्यों का जिम्मेदारी से पालन कर सके । वह व्यवसाय, शिल्प या उद्योग जिसमें, वह नियोजित किया गया हो, का पूर्ण एवं विस्तृत ज्ञान रखता हो ।

(4) **उच्च–कुशलः–**उच्च–कुशल कर्मकार वह कर्मकार है जो कार्य को दक्षतापूर्ण करने में सक्षम हो और जो कुशल कर्मचारियों के कार्य को दक्षतापूर्ण पर्यवेक्षण कर सके ।

उपाबन्ध "क" में यथा दर्शाये गये अनुसूचित जन–जाति क्षेत्रों में लगे / कार्यरत व्यक्तियों की बाबत उपर्युक्त दरों से अधिक बढ़ोतरी अनुज्ञेय होगी।

————————

उपाबन्ध 'क'

☞ निम्नलिखित प्रगणित अनुसूचित जनजाति क्षेत्रों में मजदूरी की न्यूनतम दरों से 25 प्रतिशत की बढोतरी से अधिक अनुज्ञात होगी।

जिला लाहौल एवं स्पिति, जिला किन्नौर, जिला चम्बा की भरमौर व पांगी तहसीलें:

अतः प्रस्ताव को उन सभी व्यक्तियों की सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है जिन्हें इससे प्रभावित होने की सम्भावना है और इस अधिसूचना के राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित होने की तारीख से दो मास के अवसान के पश्चात इन पर विचार किया जायेगा । उपरोक्त प्रस्ताव से सम्बन्धित कोई आक्षेप / सुझाव उपरोक्त समयावधि समाप्त होने से पूर्व श्रमायुक्त, हिमाचल प्रदेष, शिमला–171001 को भेजे जा सकेंगे ।

आदेश द्वारा,
हस्ता0 / –
प्रधान सचिव (श्रम एवं रोजगार)।

श्रम एवं रोजगार विभाग

अधिसूचना

शिमला–2, 19 मई, 2012

संख्या श्रम (ए) 1–2 / 2009(एम.डब्ल्यू.).–हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल की यह राय है कि दुकान एवं वाणिज्य संस्थानों के व्यवसाय के अनुसूचित नियोजन की बाबत अकुशलता और अन्य वर्गों के कामगारों की न्यूनतम दैनिक मजदूरी की दरों को 01.04.2012 से निम्न प्रकार से पुनरीक्षित किया जाए ।

अतः राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश न्यूनतम मजदूरी अधिनियम,1948 (1948 का अधिनियम संख्या 11) की धारा 5 व उप–धारा (1)(बी) के अधीन प्रदत शक्तियों का प्रयोग करते हुए दुकान एवं वाणिज्य संस्थानों के व्यवसाय नियोजन में अकुषल कामगारों की न्यूनतम मजदूरी की दरों में वृद्धि के प्रस्ताव को प्रकाशित करते हैं:–

कर्मकारों का वर्ग	**पुनरीक्षित न्यूनतम मजदूरी**	
	प्रतिदिन जहां पर कोई लाभ नहीं मिलता हो ।	प्रतिमास जहां पर भोजन, चाय,और स्वतन्त्र आवास, आदि का प्रावधान हो।
अकुशलः		
हेल्पर / शोप–ऐसिस्टैंट / पल्लेदार / चौकीदार / चपड़ासी / स्वीपर / मसालची / गेटमैन / वाटरमैन / क्लीनर / पैकर / पैकर मजदूर / लेवरर / अनलोडर / मसेंजर / शोरटर / क्लाकरूम अटेंडेन्ट / बेलदार / फायरमैन / पंडी / पोस्टमैन / कोई अन्य कामगार जो अकुशल कार्य कर रहा हो ।	130.00 प्रतिदिन 3900.00रू॰ प्रतिमाह	110.49.00 प्रतिदिन 3315.00रू॰ प्रतिमाह
अर्द्ध–कुशलः		
सावरमैन / वाइट–वाशर / कुक / पोरटर / पैटरीमैन / काफी टी–मेकर / चपातीमैन / सहायक–बेकर / गेट–कीपर सिनेमा / लाइनमैन / सहायक–आपरेटर / वाइंडर / इलैक्ट्रीशियन / बिल–कलैक्टर / कनवैसर / एसिटैंट–हलवाई / बुक–बाइंडर / स्टीचर / रूलिंग–कटिंग / औक्सनर / माली / होटल–गाइड / सहायक मिस्त्री / सहायक–फिटर / सहायक–टर्नर / सहायक–इलैक्ट्रीशियन / सहायक–वैल्डर / सहायक–सेल्जमैन / सहायक–बारबर / धोबी / प्रैसमैन / ब्वायलर–मैन / फिल्म–रिवांइडर / वेटर / वीयरर (इण्डियन स्टाइल होटल) / ऐसिसटैंट रेडियो मकैनिक / पेंटर / पकौड़ा एवं चना मेकर /	141.91 प्रतिदिन तथा 4257.00 रू॰ प्रतिमाह	121.70 प्रतिदिन तथा 3651.00रू॰ प्रतिमाह

कलर्क (दसवीं कक्षा से नीचे) सहायक स्टोर कीपर / डिस्ट्रीब्यूटर / सहायक–मशीनमैन/ इनक्वाअरि एटैन्डेन्ट / टेलीफोन एटैन्डेन्ट, आई॰टी॰आई प्रमाण पत्र धारक। ।		
कुशलः		
ब्लैक स्मिथ / टीनस्मिथ / वाचमेकर / रेडियो मकैनिक / पलम्बर / कारपेंटर / ड्राइवर / हलवाई / जनरल मकैनिक कुक कन्फैक्यनर / बेकर स्टवार्ड / बटलर–फिटर/ ड्राफटसमैन / टेलीफोन–ओपरेटर / सहायक–टेलर / कटर (टेलरिंग) / कम्पाउंडर / गोल्डस्मिथ / शू–मेकर / इलैकट्रीषियन / शाल एवं कारपेट वीविंग / कम्पोजेटर / सिनेमा आपरेटर / सेल्जमैन/ ड्राइक्लीनर / डायर / वारबर / रफूगर/ म्चीनमैन / मशीनिस्ट / वेल्डर / सोल्डर / कैशियर क्लर्क मैट्रिकुलेट / मुनीम / रिसैपशनिस्ट / वेटर वियरर (वेस्टरन स्टाइल होटल) स्टोर–कीपर / हैड वेटर / हैड–वीयरर (वेस्टरन स्टाइल होटल) । और ऐसे अन्य कर्मचारी जो इस सूचि में नहीं दर्शाए गए हैं परन्तु कुशल कार्य कर रहें हैं ।	163.79 रू॰ प्रतिदिन तथा 4914.00 रू॰ प्रतिमाह	144.07 रू॰ प्रतिदिन तथा 4322.00 रू॰ प्रतिमाह
उच्च–कुशलः		
स्टोर कीपर / क्लर्क (ग्रेजुएट) /लेखाकार/ मुख्य खजानची / हैड–कुक / हैड–बटलर / हैड–बेकर / हैड–कन्फैक्शनर/ हैड–मकैनिक / इलैकट्रीशियन / फोरमैन/ सुपरवाइजर/ टेलर / कटर (टेलरिंग) । और ऐसे अन्य उच्च कुशल कर्मचारी जो कि अन्य कुशल कर्मचारी के कार्य को अच्छी तरह देख रेख एवं अच्छी तरह कार्य करने के योग्य हों ।	173.70रु॰ प्रतिदिन 5211.00 रू॰ प्रतिमाह	154.08रु॰ प्रतिदिन 4644.00 रु प्रतिमाह

नोटः

1. समान और इसी प्रकार के कार्य के लिये पुरुष या महिला और व्यस्क या अव्यस्क की न्यूनतम मजदूरी में कोई भिन्नता नहीं होगी।

2. शिक्षु/प्रशिक्षणार्थियों की मजदूरी प्रशिक्षता अधिनियम,1961 (1961 का 52) के अर्न्तगत विनियमित किया जाएगा ।

3. जहां किसी कार्य का वर्ग मात्रानुपाती कार्य के आधार पर किया जाता हो, वहां विशेष प्रकार के कार्य के लिए विहित समय दर मंजूर की जाएगी ।

4. यदि अनुसूचित नियोजन में नियोजित कर्मकारों के किसी प्रवर्ग के विनिर्दिष्ट रुप से वर्णित नहीं किया गया है तो कर्मकारों के ऐसे प्रवर्ग के लिए जो उसी प्रकार की कुशलता रखते हों समरुप प्रवर्ग के लिये नियत न्यूनतम मजदूरी दर से कम मजदूरी संदत नहीं की जायेगी ।

अकुशल/अर्द्ध–कुशल/कुशल/उच्च–कुशल की परिभाषा इस प्रकार होगीः–

(1) **अकुशलः** अकुशल कर्मचारी वह कर्मचारी है जो ऐसे कार्य करता है जिसमें सामान्य कर्तव्यों के अनुपालन अन्तर्वलित है जिसमें कम अनुभव या कोई स्वतन्त्र निर्णय या पूर्व अनुभव की बहुत आवश्यकता नहीं पड़ती, यद्यपि व्यवसायिक परिस्थितियों से परिचित होना आवश्यक होता है । उस का कार्य शारीरिक परिश्रम (प्रयास) के अलावा उसे विभिन्न वस्तुओं या माल से भी परिचित होना चाहिए ।

(2) **अर्द्ध–कुशलः** अर्द्ध–कुशल कर्मकार वह कर्मकार है जो सामान्यतः रोजमर्रा का निश्चित स्वरूप का काम करता हो जिसमें कि उससे निर्णय बुद्धि कुशलता की अपेक्षा न उचित निवर्हन के कार्य के लिए और जहां महत्वपूण निर्णय अन्य द्वारा किया जाता हो किन्तु उसे समुनुदंशित कर्तव्यों के या सम्बन्धित छोटे इस प्रकार उसका कार्य क्षेत्र सीमित रोजमर्रा के कार्यो के करने तक ही सीमित होगा ।

(3) **कुशलः** कुशल कर्मचारी वह कर्मचारी है जो विचारणीय स्वतन्त्रत निर्णयों का प्रयोग दक्षतापूर्ण कार्य करने में सक्षम हों और अपने कर्तव्यों का जिम्मेदारी से पालन कर सके । वह व्यवसाय, षिल्प या उद्योग जिसमें, वह नियोजित किया गया हो, का पूर्ण एवं विस्तृत ज्ञान रखता हो ।

(4) **उच्च–कुशलः** उच्च–कुशल कर्मकार वह कर्मकार है जो कार्य को दक्षतापूर्ण करने में सक्षम हो और जो कुशल कर्मचारियों के कार्य को दक्षतापूर्ण पर्यवेक्षण कर सके।

उपाबन्ध "क" में यथा दर्शाये गये अनुसूचित जन–जाति क्षेत्रों में लगे/कार्यरत व्यक्तियों की बाबत उपर्युक्त दरों से अधिक बढ़ोतरी अनुज्ञेय होगी।

————————

उपाबन्ध 'क'

☞ निम्नलिखित प्रगणित अनुसूचित जनजाति क्षेत्रों में मजदूरी की न्यूनतम दरों से 25 प्रतिशत की बढोतरी से अधिक अनुज्ञात होगी।

जिला लाहौल एवं स्पिति, जिला किन्नौर, जिला चम्बा की भरमौर व पांगी तहसीलें:

अतः प्रस्ताव को उन सभी व्यक्तियों की सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है जिन्हें इससे प्रभावित होने की सम्भावना है और इस अधिसूचना के राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित होने की तारीख से दो मास के अवसान के पश्चात इन पर विचार किया जायेगा । उपरोक्त प्रस्ताव से सम्बन्धित कोई आक्षेप/सुझाव उपरोक्त समयावधि समाप्त होने से पूर्व श्रमायुक्त, हिमाचल प्रदेश, शिमला–171001 को भेजे जा सकेंगे ।

आदेश द्वारा,
हस्ता0/–
प्रधान सचिव (श्रम एवं रोजगार)।

श्रम एवं रोजगार विभाग

अधिसूचना

शिमला–2, 19 मई,2012

संख्या श्रम (ए) 1–2 / 2009(एम.डब्लयू.).–संख्या श्रम (ए) 4–8–2006(एम.डब्लयू.) हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल की यह राय है कि फोरेस्ट्री एवं टिम्बरिंग के अनुसूचित नियोजन की बाबत अकुशलता और अन्य वर्गों के कामगारों की न्यूनतम दैनिक मजदूरी की दरों को 01.04.2012 से निम्न प्रकार से पुनरीक्षित किया जाए।

अतः राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश न्यूनतम मजदूरी अधिनियम,1948 (1948 का अधिनियम संख्या 11) की धारा 5 व उप–धारा (1)(बी) के अधीन प्रदत शक्तियों का प्रयोग करते हुए फोरेस्ट्री एवं टिम्बरिंग नियोजन में अकुशल कामगारों की न्यूनतम मजदूरी की दरों में वृद्धि के प्रस्ताव को प्रकाशित करते हैं:–

	कर्मकारों का वर्ग	पुनरीक्षित न्यूनतम मजदूरी दैनिक	मासिक
1.	**अकुशल**	रु॰	रु॰
	वृक्षों का गिराना	130.00	3900.00
	लोपर (छांगी)	141.91	5257.00
	फेलर्ज (गिरानी	134.70	4041.00
2	**लागिंग स्थाई तथा टिम्बर पासिग**	रु॰	रु॰
	1. ड्रैसर (पवानी)	134.70	4041.00
	2. सायर (चिरानी)	183.94	5518.00
	3. ब्लैकस्मिथ	167.80	5034.00
3	**कैरेज स्टेकिंग तथा टिम्बर पासिंग बाई मैनुअल लेबर :**		
	1. मजदूर फार कैरेज	134.70	4041.00
	2. मजदूर कुली लोडिंग / अनलोडिंग आफ टिम्बर	134.70	4041.00
4	**कैरेज आफ टिम्बर बाई एरियल रोप वे :**		
	1. स्पैन मिस्त्री कम सुपरवाइजर	183.94	5518.00
	2. स्पैन मिस्त्री	167.80	5034.00
5	**कैरेज बाई वैट स्लाइड (पक्की नाली) हाई स्लाइड : (पत्थरू) नल्हावाहन (दरिया वाहन) रीवर फलोटिंग**		
	1. मोहरी वाला मिस्त्री	202.79	6084.00
	2. तारू	191.41	5742.00
	3. एसिसटैंट मिस्त्री (हेल्पर)	173.70	5211.00
	4. दरियामैन	191.41	5742.00
	5. घाल	150.79	4524.00
	6. जमादार	150.79	4524.00
6	**मकैनाइजड लोगिंग तथा टिम्बर एक्सट्रैकशनः**		
	1. स्वैयर	185.51	5565.00
	2. स्काई लाइन आपरेटर	167.80	5034.00
	3. ट्रक ड्राइवर	152.42	4573.00
	4. कम्प्रेशर ड्राइवर	152.42	4573.00

7	**क्लैरिकल स्टाफ :**		
	1. मैनेजर	225.70	6771.00
	2. एकाउन्टैंट	155.99	4680.00
	3. मुन्शी / टाइपिस्ट क्लर्क	134.70	4041.00
8	**आरा मशीन वर्कर :**		
	1. बैड स्या मिस्त्री	167.80	5034.00
	2. सुपरवाइजर	165.41	4962.00
	3. हैड मिस्त्री	167.80	5034.00
	4. वायल ड्राइवर	167.80	5034.00
	5. एसिसटैंट मिस्त्री	137.79	4134.00
	6. पलेनर मिस्त्री	137.79	4134.00
	7. हैल्पर	134.70	4041.00
	8. काहर मैन	137.79	4134.00
9	**कत्था एक्सट्रैक्शन :**		
	1. फेलर तथा चिपर	134.70	4041.00
	2. क्त्था	141.91	4257.00

उच्च–कुशल :

बायलर एटैंडेंट (प्रथम श्रेणी) ओवरसीयर, हैड फोरमैन	**209.94**	**6298.00**

नोट :

1. समान और इसी प्रकार के कार्य के लिये पुरुष या महिला और व्यस्क या अव्यस्क की न्यूनतम मजदूरी में कोई भिन्नता नहीं होगी।

2. शिक्षु/प्रशिक्षणार्थियों की मजदूरी प्रशिक्षता अधिनियम,1961 (1961 का 52) के अर्न्तगत विनियमित किया जाएगा ।

3. जहां किसी कार्य का वर्ग मात्रानुपाती कार्य के आधार पर किया जाता हो, वहां विशेष प्रकार के कार्य के लिए विहित समय दर मंजूर की जाएगी ।

4. यदि अनुसूचित नियोजन में नियोजित कर्मकारों के किसी प्रवर्ग के विनिर्दिष्ट रुप से वर्णित नहीं किया गया है तो कर्मकारों के ऐसे प्रवर्ग के लिए जो उसी प्रकार की कुशलता रखते हों समरुप प्रवर्ग के लिये नियत न्यूनतम मजदूरी दर से कम मजदूरी संदत नहीं की जायेगी ।

अकुशल/अर्द्ध–कुशल/कुशल/उच्च–कुशल की परिभाषा इस प्रकार होगी::–

(1) **अकुशलः** अकुशल कर्मचारी वह कर्मचारी है जो ऐसे कार्य करता है जिसमें सामान्य कर्तव्यों के अनुपालन अन्तर्वलित है जिसमें कम अनुभव या कोई स्वतन्त्र निर्णय या पूर्व अनुभव की बहुत आवश्यकता नहीं पड़ती, यद्यपि व्यवसायिक परिस्थितियों से परिचित होना आवश्यक होता है । उस का कार्य शारीरिक परिश्रम (प्रयास) के अलावा उसे विभिन्न वस्तुओं या माल से भी परिचित होना चाहिए ।

(2) **अर्द्ध–कुशलः** अर्द्ध–कुशल कर्मकार वह कर्मकार है जो सामान्यतः रोजमर्रा का निश्चित स्वरूप का काम करता हो जिसमें कि उससे निर्णय बुद्धि कुशलता की अपेक्षा न उचित निवर्हन के कार्य के लिए और जहां महत्वर्पूण निर्णय अन्य द्वारा किया जाता हो किन्तु उसे समुनुदंशित कर्तव्यों के या सम्बन्धित छोटे इस प्रकार उसका कार्य क्षेत्र सीमित रोजमर्रा के कार्यो के करने तक ही सीमित होगा ।

(3) **कुशलः** कुशल कर्मचारी वह कर्मचारी है जो विचारणीय स्वतन्त्रत निर्णयों का प्रयोग दक्षतापूर्ण कार्य करने में सक्षम हों और अपने कर्तव्यों का जिम्मेदारी से पालन कर सके । वह व्यवसाय, शिल्प या उद्योग जिसमें, वह नियोजित किया गया हो, का पूर्ण एवं विस्तृत ज्ञान रखता हो ।

(4) **उच्च–कुशलः** उच्च–कुशल कर्मकार वह कर्मकार है जो कार्य को दक्षतापूर्ण करने में सक्षम हो और जो कुशल कर्मचारियों के कार्य को दक्षतापूर्ण पर्यवेक्षण कर सके ।

उपाबन्ध "क" में यथा दर्शाये गये अनुसूचित जन–जाति क्षेत्रों में लगे/कार्यरत व्यक्तियों की बाबत उपर्युक्त दरों से अधिक बढ़ोतरी अनुज्ञेय होगी।

————————

उपाबन्ध 'क'

☞ निम्नलिखित प्रगणित अनुसूचित जनजाति क्षेत्रों में मजदूरी की न्यूनतम दरों से 25 प्रतिशत की बढोतरी से अधिक अनुज्ञात होगी।

जिला लाहौल एवं स्पिति, जिला किन्नौर, जिला चम्बा की भरमौर व पांगी तहसीलें अतः प्रस्ताव को उन सभी व्यक्तियों की सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है जिन्हें इससे प्रभावित होने की सम्भावना है और इस अधिसूचना के राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित होने की तारीख से दो मास के अवसान के पश्चात इन पर विचार किया जायेगा । उपरोक्त प्रस्ताव से सम्बन्धित कोई आक्षेप/सुझाव उपरोक्त समयावधि समाप्त होने से पूर्व श्रमायुक्त, हिमाचल प्रदेश, शिमला–171001 को भेजे जा सकेंगे ।

आदेश द्वारा,
हस्ता0/–
प्रधान सचिव (श्रम एवं रोजगार)।

————————

श्रम एवं रोजगार विभाग

अधिसूचना

शिमला–2, 19 मई, 2012

संख्या श्रम (ए) 1–2/2009(एम.डब्लयू.).–हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल की यह राय है कि रसायन और रसायनिक उत्पाद के अनुसूचित नियोजन की बाबत अकुशलता और अन्य वर्गों के कामगारों की न्यूनतम दैनिक मजदूरी की दरों को 01.04.2012 से निम्न प्रकार से पुनरीक्षित किया जाए ।

अतः राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश न्यूनतम मजदूरी अधिनियम,1948 (1948 का अधिनियम संख्या 11) की धारा 5 व उप–धारा (1)(बी) के अधीन प्रदत शक्तियों का प्रयोग करते हुए रसायन और रसायनिक उत्पाद नियोजन में अकुशल कामगारों की न्यूनतम मजदूरी की दरों में वृद्धि के प्रस्ताव को प्रकाशित करते हैंः–

कर्मकारों का वर्ग	न्यूनतम मजदूरी	
	प्रतिदिन	प्रतिमास
अकुशल कर्मकार :	130.00	3900.00
अर्द्धकुशल कर्मकारः		
एसिसटैंट इलैक्ट्रीशियन / एसिसटेंट फिटर/ऐसिसटेंट टर्नर/एसिसटेंट वैल्डर/एसिसटेंट मोल्डर/एसिसटेंट प्लांट ओपरेटर / एसिसटेंट ब्लैकस्मिथ / एसिटेंट–कापरमैन / एसिसटेंट–वायरमैन / री–इरीगेशन एसिसटेंट/जमादार / ईस्ट मैन/ईस्ट–कलटीवेटर /स्विच बोर्ड अटेंडेंट/वायरमैन/ पोस्ट–सालटमैन /टायरमैन /आयलमैन /पम्पमैन ग्रेड–। /	136.49	4095.00

मशीन लेवलर / सलैक्टर कटर कम मार्किट सैलर अम्पुलर हैगमैन । आई॰टी॰आई प्रमाण पत्र धारक। ।		
कुशल कर्मकारः		
साल्टमैन / इलैक्ट्रीशियन / फिटर / कापरमैन /टर्नर / मोल्डर / वैल्डर / ब्लैकस्मिथ / प्लांट आपरेटर मैंसन / कारपेंटर /एसिटेंट–फोरमैन/हैड–जमादार/वायलर एटेंडेंट ग्रेड–।।/ वर्कशाप फोरमैन / इलैक्ट्रीशियन फोरमैन इंजन ड्राइवर / ड्राफटसमैन / एसिस्टैंट–कैमिस्ट /मशीनमैन / कैशियर / क्लर्क (मैट्रिक) / सेल्ज मैन /स्वागतकर्ता / टाइपिस्ट / स्टोरकीपर ।	145.32	4360.00
उच्च–कुशल कर्मकारः		
ब्वायलर अटेंडैंट (प्रथम श्रेणी) /ओवर सीयर/हैड फोरमैन ।	155.99	4680.00

नोटः

1. समान और इसी प्रकार के कार्य के लिये पुरुष या महिला और व्यस्क या अव्यस्क की न्यूनतम मजदूरी में कोई भिन्नता नहीं होगी।

2. शिक्षु/प्रशिक्षणार्थियों की मजदूरी प्रशिक्षता अधिनियम,1961 (1961 का 52) के अन्तर्गत विनियमित किया जाएगा ।

3. जहां किसी कार्य का वर्ग मात्रानुपाती कार्य के आधार पर किया जाता हो, वहां विशेष प्रकार के कार्य के लिए विहित समय दर मंजूर की जाएगी ।

4. यदि अनुसूचित नियोजन में नियोजित कर्मकारों के किसी प्रवर्ग के विनिर्दिष्ट रुप से वर्णित नहीं किया गया है तो कर्मकारों के ऐसे प्रवर्ग के लिए जो उसी प्रकार की कुशलता रखते हों समरुप प्रवर्ग के लिये नियत न्यूनतम मजदूरी दर से कम मजदूरी संदत नहीं की जायेगी ।

अकुशल/अर्द्ध–कुशल/कुशल/उच्च–कुशल की परिभाषा इस प्रकार होगीः–

(1) **अकुशलः** अकुशल कर्मचारी वह कर्मचारी है जो ऐसे कार्य करता है जिसमें सामान्य कर्तव्यों के अनुपालन अन्तर्वलित है जिसमें कम अनुभव या कोई स्वतन्त्र निर्णय या पूर्व अनुभव की बहुत आवश्यकता नहीं पड़ती, यद्यपि व्यवसायिक परिस्थितियों से परिचित होना आवश्यक होता है । उस का कार्य शारीरिक परिश्रम (प्रयास) के अलावा उसे विभिन्न वस्तुओं या माल से भी परिचित होना चाहिए ।

(2) **अर्द्ध–कुशलः** अर्द्ध–कुशल कर्मकार वह कर्मकार है जो सामान्यतः रोजमर्रा का निश्चित स्वरूप का काम करता हो जिसमें कि उससे निर्णय बुद्धि कुशलता की अपेक्षा न उचित निवर्हन के कार्य के लिए और जहां महत्वपूण निर्णय अन्य द्वारा किया जाता हो किन्तु उसे समुनुदंशित कर्तव्यों के या सम्बन्धित छोटे इस प्रकार उसका कार्य क्षेत्र सीमित रोजमर्रा के कार्यो के करने तक ही सीमित होगा ।

(3) **कुशलः** कुशल कर्मचारी वह कर्मचारी है जो विचारणीय स्वतन्त्रत निर्णयों का प्रयोग दक्षतापूर्ण कार्य करने में सक्षम हों और अपने कर्तव्यों का जिम्मेदारी से पालन कर सके । वह व्यवसाय, षिल्प या उद्योग जिसमें, वह नियोजित किया गया हो, का पूर्ण एवं विस्तृत ज्ञान रखता हो ।

(4) **उच्च–कुशलः** उच्च–कुशल कर्मकार वह कर्मकार है जो कार्य को दक्षतापूर्ण करने में सक्षम हो और जो कुशल कर्मचारियों के कार्य को दक्षतापूर्ण पर्यवेक्षण कर सके ।

उपाबन्ध "क" में यथा दर्शाये गये अनुसूचित जन–जाति क्षेत्रों में लगे/कार्यरत व्यक्तियों की बाबत उपर्युक्त दरों से अधिक बढ़ोतरी अनुज्ञेय होगी।

उपाबन्ध 'क'

☞ निम्नलिखित प्रगणित अनुसूचित जनजाति क्षेत्रों में मजदूरी की न्यूनतम दरों से 25 प्रतिशत की बढोतरी से अधिक अनुज्ञात होगी।

☞

जिला लाहौल एवं स्पिति, जिला किन्नौर, जिला चम्बा की भरमौर व पांगी तहसीलें

अतः प्रस्ताव को उन सभी व्यक्तियों की सूचनार्थ प्रकाषित किया जाता है जिन्हें इससे प्रभावित होने की सम्भावना है और इस अधिसूचना के राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित होने की तारीख से दो मास के अवसान के पश्चात इन पर विचार किया जायेगा । उपरोक्त प्रस्ताव से सम्बन्धित कोई आक्षेप/सुझाव उपरोक्त समयावधि समाप्त होने से पूर्व श्रमायुक्त, हिमाचल प्रदेश, शिमला–171001 को भेजे जा सकेंगे ।

आदेश द्वारा,
हस्ता0/–
प्रधान सचिव (श्रम एवं रोजगार)।

————————

श्रम एवं रोजगार विभाग

अधिसूचना

शिमला–2, 19 मई, 2012

संख्या श्रम (ए) 1–2/2009(एम.डब्लयू.).–हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल की यह राय है कि इंजीनियरिंग उद्योग के अनुसूचित नियोजन की बाबत अकुशलता और अन्य वर्गों के कामगारों की न्यूनतम दैनिक मजदूरी की दरों को 01.04.2012 से निम्न प्रकार से पुनरीक्षित किया जाए ।

अतः राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश न्यूनतम मजदूरी अधिनियम,1948 (1948 का अधिनियम संख्या 11) की धारा 5 व उप–धारा (1)(बी) के अधीन प्रदत शक्तियों का प्रयोग करते हुए इंजीनियरिंग उद्योग नियोजन में अकुशल कामगारों की न्यूनतम मजदूरी की दरों में वृद्वि के प्रस्ताव को प्रकाषित करते हैंः–

कर्मकारों का वर्ग	पुनरीक्षित न्यूनतम मजदूरी प्रतिदिन	प्रतिमास
अकुशल :	130.00	3900.00
अर्द्ध–कुशलः		
टेपर ग्रेड–।/ टरनर ग्रेड–।।/ ड्रीलर–ग्रेड–।। रोमर ग्रेड–।। / शेयर मैन ग्रेड–।। / मशीनमैन / मशीनिस्ट / आपरेटर ग्रेड–।। ब्रजर ग्रेड–।। / हैड स्पीनिंग बाइंडर /बाइंडर लाइनर ग्रेड–।।/ प्रैस आपरेटर ग्रेड–।।/स्प्रे पेंटर ग्रेड–।/ट्रांसफर फिक्सर ग्रेड–।।/ असैम्बलर ग्रेड–।। /कोबलर / रबर रोजिन कटर / टेलर ग्रेड–।। मैटिरियल चैकर / फिटर फ्रेम नम्बरिंग मैन / फ्रेम सैंडर इलैक्ट्रोपलेटर ग्रेड– ।।/ मोपर ग्रेड–। /ग्राइडर ग्रेड– । / पिकलर / पालियमैन /बूफरमैन/हैड–मकैनिक आपरेटर ग्रेड–।।/ थ्रैड रोलर / आपरेटर ग्रेड–।। / बुक स्क्रयू मशीन आपरेटर/ फीटर ग्रेड–।/ पैटर्न मेकर ग्रेड–।। / डाइमेकर ग्रेड– ।। /	133.51	4005.00

बैल्डर ग्रेड– ।। / टिनस्मिथ ग्रेड–।। /पाइपरीडर /हेमरमेन ग्रेड– ।। /इलैक्ट्रीशियन ग्रेड–।। /बाउचर इन्सपैक्टर ग्रेड–।।/ लिस्टर डीजल इंजन ड्राइवर ग्रेड ।। / आयलमैन टेपर ग्रेड– ।। टर्नर ग्रेड– ।। / ड्रिलर ग्रेड– ।/शेपरमैन ग्रेड–।।/सलाटरमैन/ ग्रेड–।।/मकैनिस्ट/आपरेटर / ब्रजर ग्रेड– । /लाइनर ग्रेड–।/ स्प्रे पेंटर ग्रेड– ।/ ट्रांरसफर मिक्सर ग्रेड–।।/ असैम्बलर ग्रेड–।/ इलैक्ट्रोपलेटर ग्रेड– ।। /मोपर ग्रेड–। / बाइंडर ग्रेड–।/हैडमशीन आपरेटर ग्रेड– ।/ थरैड एवं रोलर मशीन आपरेटर ग्रेड–। बुक स्क्रीउ मशीन आपरेटर/ गोल्ड ड्रा मशीन आपरेटर ग्रेड–।। / फिटर ग्रेड– ।। / कारपेन्टर /पैटर्न मेकर ग्रेड–।। / डाइमेकर ग्रेड– ।/ साईस्टर ग्रेड– ।। / बैल्डर ग्रेड–।/टिनस्मिथ ग्रेड–।।/ हैमरमैन ग्रेड–।/ब्लैक स्मिथ ग्रेड–।। /टूलजसैंटर ग्रेड– ।।/ इलैक्ट्रीकल लाइनमैन–ग्रेड–।/इलैक्ट्रीशियन ग्रेड–।। / आरमैचर बाइंडर तथा कौएल बाइंडर ग्रेड–।/केवल जवांइटर ग्रेड–।।/ लिस्टर डीजल इंजन ड्राइवर ग्रेड–।। /मोल्डर–ग्रेड– ।/ सुपरवाइजर/आई॰टी॰आई प्रमाण पत्र धारक जो अन्य ट्रेड में कार्यरत है ।

कुशल :

टरनर ग्रेड–।। /ग्राइंडर मशीन आपरेटर / शेपरमैन ग्रेड– । सलाटरमैन ग्रेड–।/मिल्लर ग्रेड–।/इलैक्ट्रोपलेटर ग्रेड–।/कोल्ड ड्रा मशीन आपरेटर ग्रेड–। /फिटर ग्रेड–। /कारपेन्टर / पैटरन मेकर ग्रेड–।/ डाइमेकर ग्रेड–।/ब्लैकसिमथ ग्रेड–। / डाईसैटर ग्रेड–।/आरमेचर/वांईडर एवं क्वाईल वांइडर / टूल सैटर ग्रेड–।/ केबल जआईटर ग्रेड–। / वाउचर इंसपैक्टर/डैनरल ग्रेड–।।/लिस्टर ईंजन ड्राईवर ग्रेड–। / सुपरवाईजर/ टरनर स्कील्ड/ग्रांईडर मशीन आपरेटर स्कील्ड/ डाई मेकर स्कील्ड/ अनग्रेवर सकील्ड/पैटरन मेकर सकील्ड / बलैकस्मिथ/ वाउचर इंसपैक्टर सकील्ड/मोल्डर सकील्ड । आई॰टी॰आई प्रमाण पत्र धारक जो अन्य ट्रेड में कार्यरत है ।	163.79	4914.00

उच्च कुशलः

टरनर ग्रेड–।/ ग्राइंडर मशीन आपरेटर / शेपरमैन ग्रेड–। सलाटरमैन ग्रेड–।/मिल्लर ग्रेड–।/इलैक्ट्रोपलेटर ग्रेड–।/कोल्ड ड्रा मशीन आपरेटर ग्रेड– ।/फिटर ग्रेड–।/कारपेन्टर / पैटरन मेकर ग्रेड–।/ डाइमेकर ग्रेड–।/ एनग्रेवर ग्रेड–।/ब्लैकसिमथ ग्रेड–।/डाईसैटर ग्रेड–।/टूल सैटर ग्रेड–।/इलैक्ट्रीशीयन ग्रेड–।.	163.79 प्रति दिन	4914.00 प्रति माह

क्लैरिकल स्टाफः

कैशियर मैट्रिकुलेट / क्लर्क / सेल्जमैन / टाइपिस्ट / स्टोर कीपर ।	145.32	4360.00

नोट :

1. समान और इसी प्रकार के कार्य के लिये पुरुष या महिला और व्यस्क या अव्यस्क की न्यूनतम मजदूरी में कोई भिन्नता नहीं होगी।

2. शिक्षु / प्रशिक्षणार्थियों की मजदूरी प्रशिक्षता अधिनियम,1961 (1961 का 52) के अन्तर्गत विनियमित किया जाएगा ।

3. जहां किसी कार्य का वर्ग मात्रानुपाती कार्य के आधार पर किया जाता हो, वहां विशेष प्रकार के कार्य के लिए विहित समय दर मंजूर की जाएगी ।

3. यदि अनुसूचित नियोजन में नियोजित कर्मकारों के किसी प्रवर्ग के विनिर्दिष्ट रुप से वर्णित नहीं किया गया है तो कर्मकारों के ऐसे प्रवर्ग के लिए जो उसी प्रकार की कुशलता रखते हों समरुप प्रवर्ग के लिये नियत न्यूनतम मजदूरी दर से कम मजदूरी संदत नहीं की जायेगी।

अकुशल / अर्द्ध–कुशल / कुशल / उच्च–कुशल की परिभाषा इस प्रकार होगीः–

(1) **अकुशलः** अकुशल कर्मचारी वह कर्मचारी है जो ऐसे कार्य करता है जिसमें सामान्य कर्तव्यों के अनुपालन अन्तर्वलित है जिसमें कम अनुभव या कोई स्वतन्त्र निर्णय या पूर्व अनुभव की बहुत आवश्यकता नहीं पड़ती, यद्यपि व्यवसायिक परिस्थितियों से परिचित होना आवश्यक होता है । उस का कार्य शारीरिक परिश्रम (प्रयास) के अलावा उसे विभिन्न वस्तुओं या माल से भी परिचित होना चाहिए ।

(2) **अर्द्ध–कुशलः** अर्द्ध–कुशल कर्मकार वह कर्मकार है जो सामान्यतः रोजमर्रा का निश्चित स्वरूप का काम करता हो जिसमें कि उससे निर्णय बुद्धि कुशलता की अपेक्षा न उचित निवर्हन के कार्य के लिए और जहां महत्वपूण निर्णय अन्य द्वारा किया जाता हो किन्तु उसे समुनुदंशित कर्तव्यों के या सम्बन्धित छोटे इस प्रकार उसका कार्य क्षेत्र सीमित रोजमर्रा के कार्यो के करने तक ही सीमित होगा ।

(3) **कुशलः** कुशल कर्मचारी वह कर्मचारी है जो विचारणीय स्वतन्त्रत निर्णयों का प्रयोग दक्षतापूर्ण कार्य करने में सक्षम हों और अपने कर्तव्यों का जिम्मेदारी से पालन कर सके । वह व्यवसाय, शिल्प या उद्योग जिसमें, वह नियोजित किया गया हो, का पूर्ण एवं विस्तृत ज्ञान रखता हो ।

(4) **उच्च–कुशलः** उच्च–कुशल कर्मकार वह कर्मकार है जो कार्य को दक्षतापूर्ण करने में सक्षम हो और जो कुशल कर्मचारियों के कार्य को दक्षतापूर्ण पर्यवेक्षण कर सके।

उपाबन्ध "क" में यथा दर्शाये गये अनुसूचित जन–जाति क्षेत्रों में लगे / कार्यरत व्यक्तियों की बाबत उपर्युक्त दरों से अधिक बढ़ोतरी अनुज्ञेय होगी।

————

उपाबन्ध 'क'

☞ निम्नलिखित प्रगणित अनुसूचित जनजाति क्षेत्रों में मजदूरी की न्यूनतम दरों से 25 प्रतिशत की बढोतरी से अधिक अनुज्ञात होगी।

जिला लाहौल एवं स्पिति, जिला किन्नौर, जिला चम्बा की भरमौर व पांगी तहसीलें

अतः प्रस्ताव को उन सभी व्यक्तियों की सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है जिन्हें इससे प्रभावित होने की सम्भावना है और इस अधिसूचना के राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित होने की तारीख से दो मास के अवसान के पश्चात इन पर विचार किया जायेगा । उपरोक्त प्रस्ताव से सम्बन्धित कोई आक्षेप / सुझाव उपरोक्त समयावधि समाप्त होने से पूर्व श्रमायुक्त, हिमाचल प्रदेश, शिमला–171001 को भेजे जा सकेंगे ।

आदेश द्वारा,
हस्ता0 / –
प्रधान सचिव (श्रम एवं रोजगार)।

श्रम एवं रोजगार विभाग

अधिसूचना

शिमला–2 19 मई, 2012

संख्या श्रम (ए) 1–2/2009(एम.डब्लयू.).–हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल की यह राय है कि चाय बागान के अनुसूचित नियोजन की बाबत अकुशलता और अन्य वर्गों के कामगारों की न्यूनतम दैनिक मजदूरी की दरों को 01.04.2012 से निम्न प्रकार से पुनरीक्षित किया जाए ।

अतः राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश न्यूनतम मजदूरी अधिनियम,1948 (1948 का अधिनियम संख्या 11) की धारा 5 व उप–धारा (1)(बी) के अधीन प्रदत शक्तियों का प्रयोग करते हुए चाय बागान नियोजन में अकुशल कामगारों की न्यूनतम मजदूरी की दरों में वृद्धि के प्रस्ताव को प्रकाशित करते हैंः–

कर्मकारों का वर्ग	**पुनरीक्षित**	**न्यूनतम मजदूरी**
फील्ड कामगार चाय बागान में इसमें पौधारोपण,उखाडनें स्प्रे करने, खाद देने, छायावरण के लिए या अन्यथा कांट –छांट करने,गुडाई करने, खरपतवार निकालने तुडाई आदि के कार्य में नियोजित अप्रशिक्षित मजदूर ।	130.00	3900.00

ए–ग्रेड पतियां तोड़ने वाले का वेतन.–– 12 किलोग्राम से अधिक प्रतिदिन यदि कोई प्लकर चाय की पतियां तोडता है तो उसे रू0 9.42 पैसे प्रतिकिलो से अतिरिक्त वेतन मिलेगा ।

बी ग्रेड पतियां.––13 किलोग्राम से अधिक प्रतिदिन यदि कोई श्रमिक (प्लकर) चाय की पतियां तोडता है तो उसे रू0 7.04 पैसे प्रतिकिलो से अतिरिक्त प्रोत्साहन भत्ता मिलेगा ।

सी ग्रेड पतियां.–– 16 किलोग्राम से अधिक प्रतिदिन यदि कोई श्रमिक (प्लकर) चाय की पतियां तोडता है तो उसे रू0 5.30 पैसे प्रतिकिलो से अतिरिक्त प्रोत्साहन भत्ता मिलेगा।

पतियां तोडने के लिए नियोजित पीस रेट कर्मकार को रू0 9.42 पैसे,रू0 7.04 पैसे,रू0 5.30 पैसे प्रति किलो की दर से ग्रेड–'ए','बी व सी की चाय पतियों पर मिलेगा ।

अर्द्धकुशल :

कारखाने कर्मकार एवं फील्ड स्टाफ (टी–पलानटेशन): 133.50 प्रतिदिन, 4006.00 प्रतिमाह

कारखाना :

इसमें अटारी मजदूर,पतियों को सुखाने वाला मजदूर, स्थानांतरित करने वाला मजदूर, खमीर उत्पादन करने वाले कमरे में काम करने वाले मजदूर, शिफिटंग मजदूर,सार्टज पैकर्ज, टी–मेकर्ज, टाइम कीपर तथा कैरियर (झाली) शामिल हैं ।

प्लानटेशन :

क्लीनर, सहायक कलीनर्ज, बगीचा सहायक, मोहरर्ज इत्यादि जो खेत के काम का रिकार्ड रखते हैं तथा इसमें स्वीपर, माली तथा मेट शामिल होंगे ।

व्यस्क–दैनिक रू0 130.00 मासिक रू0 3900.00

लिपिकीय एवं गैर तकनीकी पर्यवेक्षी कार्यालय कर्मचारीवृंदः

1.	लेखाकार	241.08 प्रतिदिन व 7233.00 प्रतिमास (फिक्सड) इसके अतिरिक्त मुफत आवास	
2.	लिपिक	163.79 प्रतिदिन व 4914.00 प्रतिमास तथा मुफत आवास	
3.	मुन्शी	171.32 प्रतिदिन व 5140.00 प्रतिमास तथा मुफत आवास	
4.	चपडासी/चौकीदार/चौधरी	133.51 प्रतिदिन व 4006.00	प्रतिमास तथा मुफत प्रसुविधा जैसी लिपिक को अनुज्ञेय है ।
		प्रतिदिन	प्रतिमास
5.	कम्पाउन्डर	217.41	6522.00
6.	ड्राइवर (जीप/कार/ट्रैक्टर)	186.70	5601.00
7.	मकैनिक	219.80	6594.00
8.	एसिसटैन्ट मकैनिक	185.51	5565.00
9.	इलैक्ट्रीशियन–कम–मकैनिक ग्रेड –।	219.80	6594.00
10.	इलैक्ट्रीशियन–कम–मकैनिक ग्रेड –।।	185.51	5565.00

नोटः

1. समान और इसी प्रकार के कार्य के लिये पुरुष या महिला और व्यस्क या अव्यस्क की न्यूनतम मजदूरी में कोई भिन्नता नहीं होगी।

2. शिक्षु/प्रशिक्षणार्थियों की मजदूरी प्रशिक्षता अधिनियम,1961 (1961 का 52) के अर्न्तगत विनियमित किया जाएगा ।

3. जहां किसी कार्य का वर्ग मात्रानुपाती कार्य के आधार पर किया जाता हो, वहां विशेष प्रकार के कार्य के लिए विहित समय दर मंजूर की जाएगी ।

4. यदि अनुसूचित नियोजन में नियोजित कर्मकारों के किसी प्रवर्ग के विनिर्दिष्ट रुप से वर्णित नहीं किया गया है तो कर्मकारों के ऐसे प्रवर्ग के लिए जो उसी प्रकार की कुशलता रखते हों समरुप प्रवर्ग के लिये नियत न्यूनतम मजदूरी दर से कम मजदूरी संदत नहीं की जायेगी ।

अतः प्रस्ताव को उन सभी व्यक्तियों की सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है जिन्हें इससे प्रभावित होने की सम्भावना है और इस अधिसूचना के राजपत्र, हिमाचल प्रदेष में प्रकाशित होने की तारीख से दो मास के अवसान के पश्चात इन पर विचार किया जायेगा । उपरोक्त प्रस्ताव से सम्बन्धित कोई आक्षेप/सुझाव उपरोक्त समयावधि समाप्त होने से पूर्व श्रमायुक्त, हिमाचल प्रदेश, शिमला–171001 को भेजे जा सकेंगे ।

आदेश द्वारा,
हस्ता0/–
प्रधान सचिव (श्रम एवं रोजगार)।

श्रम एवं रोजगार विभाग

अधिसूचना

शिमला–2, 19 मई, 2012

संख्या श्रम (ए) 1–2/2009(एम.डब्लयू.).–हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल की यह राय है कि विनिर्माण क्रिया में नियोजन जो कि कारखाना अधिनियम,1948 की धारा (2) खण्ड(क)मे परिभाषित के अनुसूचित नियोजन की बाबत अकुशलता और अन्य वर्गों के कामगारों की न्यूनतम दैनिक मजदूरी की दरों को 01.04. 2012 से निम्न प्रकार से पुनरीक्षित किया जाए ।

अतः राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश न्यूनतम मजदूरी अधिनियम,1948 (1948 का अधिनियम संख्या 11) की धारा 5 व उप–धारा (1)(बी) के अधीन प्रदत शक्तियों का प्रयोग करते हुए नियोजन में अकुषल कामगारों की न्यूनतम मजदूरी की दरों में वृद्धि के प्रस्ताव को प्रकाशित करते हैंः–

अकुशल	130 रु. प्रतिदिन या 3900.00 रु. प्रतिमाह
अर्द्ध–कुशल	137.09 प्रतिदिन या 4113 रु. प्रतिमाह
कुशल एवं लिपिकीय कर्मचारीबृंद	146.51 प्रतिदिन या 4395.00 रु0 प्रतिमाह
उच्च कुशल	155.99 प्रतिदिन या 4680.00 रु0 प्रतिमाह

नोटः

1. समान और इसी प्रकार के कार्य के लिये पुरुष या महिला और व्यस्क या अव्यस्क की न्यूनतम मजदूरी में कोई भिन्नता नहीं होगी।

2. शिक्षु/प्रशिक्षणार्थियों की मजदूरी प्रशिक्षता अधिनियम, 1961 (1961 का 52) के अर्न्तगत विनियमित किया जाएगा ।

3. जहां किसी कार्य का वर्ग मात्रानुपाती कार्य के आधार पर किया जाता हो, वहां विशेष प्रकार के कार्य के लिए विहित समय दर मंजूर की जाएगी ।

4. यदि अनुसूचित नियोजन में नियोजित कर्मकारों के किसी प्रवर्ग के विनिर्दिष्ट रुप से वर्णित नहीं किया गया है तो कर्मकारों के ऐसे प्रवर्ग के लिए जो उसी प्रकार की कुशलता रखते हों समरुप प्रवर्ग के लिये नियत न्यूनतम मजदूरी दर से कम मजदूरी संदत नहीं की जायेगी ।

अकुशल/अर्द्ध–कुशल/कुशल/उच्च–कुशल की परिभाषा इस प्रकार होगीः–

(1) **अकुशलः** अकुशल कर्मचारी वह कर्मचारी है जो ऐसे कार्य करता है जिसमें सामान्य कर्तव्यों के अनुपालन अन्तर्वलित है जिसमें कम अनुभव या कोई स्वतन्त्र निर्णय या पूर्व अनुभव की बहुत आवश्यकता नहीं पड़ती, यद्यपि व्यवसायिक परिस्थितियों से परिचित होना आवश्यक होता है । उस का कार्य शारीरिक परिश्रम (प्रयास) के अलावा उसे विभिन्न वस्तुओं या माल से भी परिचित होना चाहिए ।

(2) **अर्द्ध–कुशलः** अर्द्ध–कुशल कर्मकार वह कर्मकार है जो सामान्यतः रोजमर्रा का निश्चित स्वरूप का काम करता हो जिसमें कि उससे निर्णय बुद्धि कुशलता की अपेक्षा न उचित निवर्हन के कार्य के लिए और जहां महत्वपूर्ण निर्णय अन्य द्वारा किया जाता हो किन्तु उसे समुनुदंशित कर्तव्यों के या सम्बन्धित छोटे इस प्रकार उसका कार्य क्षेत्र सीमित रोजमर्रा के कार्यों के करने तक ही सीमित होगा ।

(3) **कुशलः** कुशल कर्मचारी वह कर्मचारी है जो विचारणीय स्वतन्त्रत निर्णयों का प्रयोग दक्षतापूर्ण कार्य करने में सक्षम हों और अपने कर्तव्यों का जिम्मेदारी से पालन कर सके । वह व्यवसाय, शिल्प या उद्योग जिसमें, वह नियोजित किया गया हो, का पूर्ण एवं विस्तृत ज्ञान रखता हो ।

(4) **उच्च–कुशलः** उच्च–कुशल कर्मकार वह कर्मकार है जो कार्य को दक्षतापूर्ण करने में सक्षम हो और जो कुशल कर्मचारियों के कार्य को दक्षतापूर्ण पर्यवेक्षण कर सके।

उपाबन्ध "क" में यथा दर्शाये गये अनुसूचित जन–जाति क्षेत्रों में लगे/कार्यरत व्यक्तियों की बाबत उपर्युक्त दरों से अधिक बढ़ोतरी अनुज्ञेय होगी।

————————

उपाबन्ध 'क'

☞ निम्नलिखित प्रगणित अनुसूचित जनजाति क्षेत्रों में मजदूरी की न्यूनतम दरों से 25 प्रतिशत की बढ़ोतरी से अधिक अनुज्ञात होगी।

जिला लाहौल एवं स्पिति, जिला किन्नौर, जिला चम्बा की भरमौर व पांगी तहसीलें

अतः प्रस्ताव को उन सभी व्यक्तियों की सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है जिन्हें इससे प्रभावित होने की सम्भावना है और इस अधिसूचना के राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित होने की तारीख से दो मास के अवसान के पश्चात इन पर विचार किया जायेगा । उपरोक्त प्रस्ताव से सम्बन्धित कोई आक्षेप/सुझाव उपरोक्त समयावधि समाप्त होने से पूर्व श्रमायुक्त, हिमाचल प्रदेश, शिमला–171001 को भेजे जा सकेंगे ।

आदेश द्वारा,
हस्ता0/–
प्रधान सचिव (श्रम एवं रोजगार)।

————————

श्रम एवं रोजगार विभाग

अधिसूचना

शिमला–2, 19 मई, 2012

संख्या श्रम (ए) 1–2/2009(एम.डब्लयू.).–हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल की यह राय है कि होटल/रैस्टोरेंट के अनुसूचित नियोजन की बाबत अकुशलता और अन्य वर्गों के कामगारों की न्यूनतम दैनिक मजदूरी की दरों को 01.04.2012 से निम्न प्रकार से पुनरीक्षित किया जाए ।

अतः राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश न्यूनतम मजदूरी अधिनियम,1948 (1948 का अधिनियम संख्या 11) की धारा 5 व उप–धारा (1)(बी) के अधीन प्रदत शक्तियों का प्रयोग करते हुए होटल/रैस्टोरेंट नियोजन में अकुशल कामगारों की न्यूनतम मजदूरी की दरों में वृद्वि के प्रस्ताव को प्रकाशित करते हैंः–

कर्मकारों का वर्ग	जहां आवास या अन्य कोई सुविधा प्रदान नहीं है	जहां आवास,खाना,चाय आदि की सुविधा उपलब्ध है
अकुशलः		
हैल्पर/ चौकीदार / चपडासी /स्वीपर/ मसालची /गेटमैन / माली / वाटरमैन/ क्लीनर / मसेंजर / क्लाकरूम अटैंडेंट / पोटर व्हाइट वाशर / मिस्त्री वेलदार / फायरमैन / पांडी / पोस्टमैन या अन्य कामगार जो अकुशल श्रेणी का कार्य करता हो ।	130.00 रू0 प्रतिदिन तथा 3900.00 रू0 प्रतिमाह	110.49 रू0 प्रतिदिन तथा 3315.00 रू0 प्रतिमाह

अर्द्ध कुशल :

पैटरीमैन / काफी टी मेकर / चपातीमैन / सहायक बेकर / कन्फैक्शनर / कुक / सहायक हलवाई / बुक वाइंडर / सटिचर / रूलिंग / कटिंग / आउक्सजर / माली (तकनीकि अनुभव वाला) होटल गाइड / सहायक मिस्त्री / सहायक फिटर / सहायक इलैक्ट्रीशियन / सहायक सेल्जमैन / सहायक वारबर / धोबी / प्रैसमैन / वायलरमैन / वाटर वीयरर (इडियन स्टायल) होटल / पकौडा एवं चना मेकर / क्लर्क (दसवीं कक्षा से नीचे) सहायक स्टोर कीपर / डिस्ट्रीव्यूटर / सहायक मशीनमैन / स्यूअर मैन / वाइट–वाशर / इनक्वाअरि एटैन्डेन्ट / टेलीफोन एटैन्डेन्ट, आई॰टी॰आई प्रमाण पत्र धारक। ।	141.91 प्रतिदिन तथा 4257.00 रू0 प्रतिमाह	122.45 प्रतिदिन तथा 3674.00 रू0 प्रतिमाह

कुशलः

ड्राइवर / हलवाई / कुक कन्फैक्शनर / बेकर स्टीवर / क्लटर ड्राफटसमैन / टेलीफोन ओपरेटर / रिसैपशनिस्ट / वेटर वियरर (वेस्टरन स्टाइल होटल) स्टोर कीपर / हैड वेटर / हैड वीयरर (वेस्टरन स्टाइल होटल) ।	163.79 रू0 प्रतिदिन तथा 4914.00 रू0 प्रतिमाह	144.07 रू0 प्रतिदिन तथा 4322.00 रू0 प्रतिमाह

उच्च–कुशलः

स्टोर कीपर / क्लर्क (ग्रेजुएट) / लेखाकार / मुख्य खजानची / हैड–कुक / हैड–बटलर / हैड–बेकर / हैड–कन्फैक्शनर / हैड–मकैनिक / इलैकट्रीशियन / फोरमैन / सुपरवाइजर / टेलर / कटर (टेलरिंग) । और ऐसे अन्य उच्च कुशल कर्मचारी जो कि अन्य कुशल कर्मचारी के कार्य को अच्छी तरह देख रेख एवं अच्छी तरह कार्य करने के योग्य हों ।	173.70रू॰ प्रतिदिन 5211.00 रू॰ प्रतिमाह	154.08 रू॰ प्रतिदिन 4644.00 रु प्रतिमाह

नोटः

1. समान और इसी प्रकार के कार्य के लिये पुरुष या महिला और व्यस्क या अव्यस्क की नयून्तम मजदूरी में कोई भिन्नता नहीं होगी।

2. शिक्षु / प्रशिक्षणार्थियों की मजदूरी प्रशिक्षता अधिनियम, 1961 (1961 का 52) के अर्न्तगत विनियमित किया जाएगा ।

3. जहां किसी कार्य का वर्ग मात्रानुपाती कार्य के आधार पर किया जाता हो, वहां विशेष प्रकार के कार्य के लिए विहित समय दर मंजूर की जाएगी ।

4. यदि अनुसूचित नियोजन में नियोजित कर्मकारों के किसी प्रवर्ग के विनिर्दिष्ट रुप से वर्णित नहीं किया गया है तो कर्मकारों के ऐसे प्रवर्ग के लिए जो उसी प्रकार की कुशलता रखते हों समरुप प्रवर्ग के लिये नियत न्यूनतम मजदूरी दर से कम मजदूरी संदत नहीं की जायेगी ।

अकुशल/अर्द्ध–कुशल/कुशल/उच्च–कुशल की परिभाषा इस प्रकार होगीः–

(1) **अकुशलः** अकुशल कर्मचारी वह कर्मचारी है जो ऐसे कार्य करता है जिसमें सामान्य कर्तव्यों के अनुपालन अन्तर्वलित है जिसमें कम अनुभव या कोई स्वतन्त्र निर्णय या पूर्व अनुभव की बहुत आवश्यकता नहीं पड़ती, यद्यपि व्यवसायिक परिस्थितियों से परिचित होना आवश्यक होता है । उस का कार्य शारीरिक परिश्रम (प्रयास) के अलावा उसे विभिन्न वस्तुओं या माल से भी परिचित होना चाहिए ।

(2) **अर्द्ध–कुशलः** अर्द्ध–कुशल कर्मकार वह कर्मकार है जो सामान्यतः रोजमर्रा का निश्चित स्वरूप का काम करता हो जिसमें कि उससे निर्णय बुद्धि कुशलता की अपेक्षा न उचित निवर्हन के कार्य के लिए और जहां महत्वपूर्ण निर्णय अन्य द्वारा किया जाता हो किन्तु उसे समुनुदंशित कर्तव्यों के या सम्बन्धित छोटे इस प्रकार उसका कार्य क्षेत्र सीमित रोजमर्रा के कार्यो के करने तक ही सीमित होगा ।

(3) **कुशलः** कुशल कर्मचारी वह कर्मचारी है जो विचारणीय स्वतन्त्रत निर्णयों का प्रयोग दक्षतापूर्ण कार्य करने में सक्षम हों और अपने कर्तव्यों का जिम्मेदारी से पालन कर सके । वह व्यवसाय, शिल्प या उद्योग जिसमें, वह नियोजित किया गया हो, का पूर्ण एवं विस्तृत ज्ञान रखता हो ।

(4) **उच्च–कुशलः** उच्च–कुशल कर्मकार वह कर्मकार है जो कार्य को दक्षतापूर्ण करने में सक्षम हो और जो कुशल कर्मचारियों के कार्य को दक्षतापूर्ण पर्यवेक्षण कर सके।

उपाबन्ध "क" में यथा दर्शाये गये अनुसूचित जन–जाति क्षेत्रों में लगे/कार्यरत व्यक्तियों की बाबत उपर्युक्त दरों से अधिक बढ़ोतरी अनुज्ञेय होगी।

————

उपाबन्ध 'क'

☞ निम्नलिखित प्रगणित अनुसूचित जनजाति क्षेत्रों में मजदूरी की न्यूनतम दरों से 25 प्रतिशत की बढोतरी से अधिक अनुज्ञात होगी।

जिला लाहौल एवं स्पिति, जिला किन्नौर, जिला चम्बा की भरमौर व पांगी तहसीलें

अतः प्रस्ताव को उन सभी व्यक्तियों की सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है जिन्हें इससे प्रभावित होने की सम्भावना है और इस अधिसूचना के राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित होने की तारीख से दो मास के अवसान के पश्चात इन पर विचार किया जायेगा । उपरोक्त प्रस्ताव से सम्बन्धित कोई आक्षेप/सुझाव उपरोक्त समयावधि समाप्त होने से पूर्व श्रमायुक्त, हिमाचल प्रदेश, शिमला–171001 को भेजे जा सकेंगे ।

आदेश द्वारा,
हस्ता0/–
प्रधान सचिव (श्रम एवं रोजगार)।

श्रम एवं रोजगार विभाग

अधिसूचना

शिमला–2, 19 मई, 2012

संख्या श्रम (ए) 1–2 / 2009(एम.डब्लयू.).–हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल की यह राय है कि निजी शैक्षणिक संस्थान के अनुसूचित नियोजन की बाबत अकुशलता और अन्य वर्गों के कामगारों की न्यूनतम दैनिक मजदूरी की दरों को 01.04.2012 से निम्न प्रकार से पुनरीक्षित किया जाए ।

अतः राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश न्यूनतम मजदूरी अधिनियम,1948 (1948 का अधिनियम संख्या 11) की धारा 5 व उप–धारा (1)(बी) के अधीन प्रदत शक्तियों का प्रयोग करते हुए निजी शैक्षणिक संस्थान नियोजन में अकुशल कामगारों की न्यूनतम मजदूरी की दरों में वृद्धि के प्रस्ताव को प्रकाशित करते हैं:–

अकुशल	130 रु. प्रतिदिन या 3900.00 रु. प्रतिमाह
अर्द्ध–कुशल	137.09 प्रतिदिन या 4113.00 रु0 प्रतिमाह
कुशल	146.51 प्रतिदिन या 4395.00 रु0 प्रतिमाह

नोट :

1. समान और इसी प्रकार के कार्य के लिये पुरुष या महिला और व्यस्क या अव्यस्क की न्यूनतम मजदूरी में कोई भिन्नता नहीं होगी।

2. शिक्षु / प्रशिक्षणार्थियों की मजदूरी प्रशिक्षता अधिनियम,1961 (1961 का 52) के अर्न्तगत विनियमित किया जाएगा ।

3. जहां किसी कार्य का वर्ग मात्रानुपाती कार्य के आधार पर किया जाता हो, वहां विशेष प्रकार के कार्य के लिए विहित समय दर मंजूर की जाएगी ।

4. यदि अनुसूचित नियोजन में नियोजित कर्मकारों के किसी प्रवर्ग के विनिर्दिष्ट रुप से वर्णित नहीं किया गया है तो कर्मकारों के ऐसे प्रवर्ग के लिए जो उसी प्रकार की कुशलता रखते हों समरुप प्रवर्ग के लिये नियत न्यूनतम मजदूरी दर से कम मजदूरी संदत नहीं की जायेगी।

अकुशल / अर्द्ध–कुशल / कुशल / उच्च–कुशल की परिभाषा इस प्रकार होगी:–

(1) **अकुशलः** अकुशल कर्मचारी वह कर्मचारी है जो ऐसे कार्य करता है जिसमें सामान्य कर्तव्यों के अनुपालन अन्तर्वलित है जिसमें कम अनुभव या कोई स्वतन्त्र निर्णय या पूर्व अनुभव की बहुत आवश्यकता नहीं पड़ती, यद्यपि व्यवसायिक परिस्थितियों से परिचित होना आवश्यक होता है । उस का कार्य शारीरिक परिश्रम (प्रयास) के अलावा उसे विभिन्न वस्तुओं या माल से भी परिचित होना चाहिए ।

(2) **अर्द्ध–कुशलः** अर्द्ध–कुशल कर्मकार वह कर्मकार है जो सामान्यतः रोजमर्रा का निश्चित स्वरूप का काम करता हो जिसमें कि उससे निर्णय बुद्धि कुशलता की अपेक्षा न उचित निवर्हन के कार्य के लिए और जहां महत्वपूर्ण निर्णय अन्य द्वारा किया जाता हो किन्तु उसे समुनुदंशित कर्तव्यों के या सम्बन्धित छोटे इस प्रकार उसका कार्य क्षेत्र सीमित रोजमर्रा के कार्यो के करने तक ही सीमित होगा ।

(3) **कुशलः** कुशल कर्मचारी वह कर्मचारी है जो विचारणीय स्वतन्त्र निर्णयों का प्रयोग दक्षतापूर्ण कार्य करने में सक्षम हों और अपने कर्तव्यों का जिम्मेदारी से पालन कर सके । वह व्यवसाय, शिल्प या उद्योग जिसमें, वह नियोजित किया गया हो, का पूर्ण एवं विस्तृत ज्ञान रखता हो ।

(4) **उच्च–कुशलः** उच्च–कुशल कर्मकार वह कर्मकार है जो कार्य को दक्षतापूर्ण करने में सक्षम हो और जो कुशल कर्मचारियों के कार्य को दक्षतापूर्ण पर्यवेक्षण कर सके।

उपाबन्ध "क" में यथा दर्शाये गये अनुसूचित जन–जाति क्षेत्रों में लगे / कार्यरत व्यक्तियों की बाबत उपर्युक्त दरों से अधिक बढ़ोतरी अनुज्ञेय होगी।

————————

उपाबन्ध 'क'

☞ निम्नलिखित प्रगणित अनुसूचित जनजाति क्षेत्रों में मजदूरी की न्यूनतम दरों से 25 प्रतिशत की बढ़ोतरी से अधिक अनुज्ञात होगी।

जिला लाहौल एवं स्पिति, जिला किन्नौर, जिला चम्बा की भरमौर व पांगी तहसीलें

अतः प्रस्ताव को उन सभी व्यक्तियों की सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है जिन्हें इससे प्रभावित होने की सम्भावना है और इस अधिसूचना के राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित होने की तारीख से दो मास के अवसान के पश्चात इन पर विचार किया जायेगा । उपरोक्त प्रस्ताव से सम्बन्धित कोई आक्षेप / सुझाव उपरोक्त समयावधि समाप्त होने से पूर्व श्रमायुक्त, हिमाचल प्रदेश, शिमला–171001 को भेजे जा सकेंगे ।

आदेश द्वारा।
हस्ता0 / –
प्रधान सचिव (श्रम एवं रोजगार)।

————————

LABOUR & EMPLOYMENT DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-2, 19*th May,* 2012

No. Shram (A)1-2/2009(M.W.).—Whereas the Governor, Himachal Pradesh is of the opinion that the minimum rates of wages in the Scheduled employment of "**Construction or Maintenance of Stone Breaking and Stone Crushing"** may be revised in respect of un-skilled and other categories of workers with effect from **01.04.2012.**

Now, therefore, in exercise of the powers vested in her under clause(b) of sub-section (1) of Section 5 of the Act *ibid*, the Governor of Himachal Pradesh is pleased to publish the proposal for revision of the minimum wages from 01.04.2012 as under:—

Category of Workers	**Revised Wages**	
	Daily	**Monthly**
1	**2**	**3**
UN-SKILLED WORKERS :	**Rupees**	**Rupees**
Bhisthi/Chimini Cleaner/ Chowkidar/Distemperer Grade-II/Glazier/ Helper for Plumber or Workshop/Rock Cutting Labour/Stone Breaker/	130.00	3900.00

Stone Chiseler/Sweeper/Spray man for Bitumen/Pipelinemen / Electrical Coolie/Security Guard/Beldar /Cleaner-Tractor & Road Roller & concrete mixer/Majdoor /Survey Boy/Watchmen/ Tea boy/ Peon/Dresser/Oilmen/Greaser/ Messhelpers/ Boy Helper (0 to 5 years)/ Khalasi (0 to 3 years)/Bill Distributors/ Mucker .

SEMI-SKILLED WORKER:	**Rupees**	**Rupees**
Carpenter Grade-II/Mason Grade-II/Sewer Man/Black Smith Grade-II/ Sanitary Fitter Grade-II/Painter/Melter Mate/Sprayman Roads/ Craneman/Badhani/Upholster/Fitter Attendant/Black Smith (Boatman)/ Caneman/Distempterer Grade-I/Fitter Grade-II / Flour Polisher / Stone Dresser/Mali/Well Sinker/White Washer/Work Shop Mechanic Grade-II/Turner Grade-II/Pipe Fitter Grade-II/Brick Moulder/Assistant Fitter/Assistant Fireman Assistant Welder/Assistant turner/battery Charger / Dresser / (Qualified / Experienced) / Hammer Man / Cook / Vulcaniser / Nozzle Man / Tunnel Man / Alloy Trolley Operator/ Attendant (Store Office) Mechanical Attendant / Tunnel Jublliman/ Tunnel Man / Helper (5 years and above) Oil Cleaner/Navgani / Mate/ Head Watchman / Assistant Leveler / Khalasi (3 to 8 years) / stone Dresser / Pump Attendant/Auto Electrician Grade-II / Gardner / Gauge reader/ Asstt. Lab Attendant/ Enquiry Attendant/Telephone Attendant.	143.00	4290.00

Stone Breaker/Rock carrier Breaker/Stone Carrier 1½ inch to 2 inch Rs. 978.00
1 to 1¼ inch Rs. 1096.00

SKILLED WORKERS :	**Rupees**	**Rupees**
Carpenter Grade-I/Mason Grade-I/Black Smith/Sanitary Fitter Grade-I/ Upholster Grade-I/Astt. Pump Operator/Pump Operator/Pump Driver/ Chargeman Grade-II/WaterSupply Fitter/Carpenter Grade-II /Compressor Operator/Compressor Driver/Darji or Tailor Grade-I/Darji or Tailor Grade-II/Crasher Driver / Stone Dresser for ornamental work/Plumber Grade-I / Pipe Fitter Grade-I /Auto Driver /Asstt. Mechanic / Mixer Driver / Mixer Operator / Structural Fitter Grade-II / Workshop Fitter / Generator Operator / Generator Driver/Plant Shop Fitter/diesel Engine Fitter / Trolley Line Fitter / Crushing Plant Fitter / B. Plant Fitter/ Jack Hammer Fitter/ Electrical fitter/ Bunch Fitter/Shaper/Auto Fitter/ Pipe Line Fitter/refrigerator Plant Fitter/Tractor Operator/Shaft Minor/ Kochring Operator/Dozer Operator/Roclain Operator/Scrapper Operator/ Loader operator/ Crane Operator/ Eucild operator/ Wagon Drill Operator/ Boaring Operator/ SLD crane Operator/ B Plant Operator/ Ice Plant Operator or Welder / Gas Cutter / turner /Black Smith/ Tin Smith/ Traction Battery Charger / Line Man/) Telephone Operator/ Khalssi/Jamadar/Winder /Blaster Driller/ Winch Fitter/Compounder/ Painter /Miller /Climber/ Moulder/ Levellers / Saw Mill Cutter/Cable Joiner/Foreman Grade-II/ Khalasi(8 years to above) / Tracer Operator E.M.E./Driver /Compressor / Rocker Showel Operator / Snow Cutter Operator /Loco Operator/Driller Mason for Glazed Type work/Work Mistry / Motor Mate / Tractor Driver / Telephone mechanic/D. G. Set Operator / Wireless Operator/Workshop Forman Grade-II.	163-79	4914-00

HIGHLY SKILLED	**Rupees**	**Rupees**
Carpenter for furniture only/Workshop Mechanic Grade-I/Chargeman Grade-I / Workshop Foreman Grade-I / TurnerGrade-I / Mechanic All Round Operator /Mason/Mistry and Carpenter Mistry/Structural Fitter Grade-I/Surveyor/Draftsman/Assistant Foreman/Machinist/Compounder (Qualified) Road Roller Driver/Bulldozer Driver/ Wireman / Auto Electrician/Electrician/ Chemical Analyser.	209.94	6298.00

Clerical and non Technical Supervisory Staff	**Rupees**	**Rupees**
Bituman Tyre Inspector/Road Inspector/Work Inspector/ Store Keeper/ Store Munshi/ Supervisor / Meter Reader / Ledger Booking Clerk / Bill Clerk/ Irrigation Booking Clerk/Patwari / Complaint Attendant / Ferro Printer/ Driver (Jeep/Car/Tractor) Clerk/ Mechanic Inspector / Assistant Store Keeper/Accounts Clerk/Stenographer.	163.79	4914.00

NOTE

1. There will be no distinction between the minimum wages of male or female and adult or non-adult for the same and similar nature of work.
2. Wages of Apprentices are to be regulated under the Apprenticeship Act, 1961(No. 52 of 1961).
3. Where any class of work is performed on piece work basis, the time rate prescribed for the particular category shall be guaranteed for that category.
4. 20% increase will be admissible over and above the minimum rates of wages to the workers working inside the tunnels.
5. 25 % increase shall be applicable over and above the minimum rates of wages in different categories of workers working in 'Under Construction Hydro- Electric Power Projects' located in Non- Tribal Areas.
6. 25% increase shall be applicable over and above the minimum wages in the Scheduled Tribal Areas in Himachal Pradesh. In case of workers working in the Under Construction Hydro-Electric Power Projects' in Tribal Areas an additional 10% increase shall be applicable.

The definition of unskilled/semiskilled/skilled/highly skilled will be as:-

(i) Unskilled.—An unskilled employee is one who does operations that involve the performance of simple duties, which require the experience of little or no independent judgment or previous experience although familiarity with the occupational environment is necessary. His work may thus require in addition to physical exertion familiarity with variety of articles or goods.

(ii) Semi-skilled.—A semiskilled worker is one who does work generally of defined routine nature wherein the major requirement is not so much of the judgment, skill and but for proper discharge of duties assigned to him or relatively narrow job and where important decisions made by others. His work is thus limited to the performance of routine operations of limited scope.

(iii) Skilled.—A skilled employee is one who is capable of working efficiently of exercising considerable independent judgment and of discharging his duties with

responsibility. He must posses a thorough and comprehensive knowledge of the trade, craft or industry in which he is employed.

(iv). Highly Skilled: -- A highly skilled worker is one who is capable of working efficiently and supervises efficiently the work of skilled employees.

The proposal is, therefore, published for the information of the persons likely to be affected thereby and will be taken into consideration after the expiry of two months from the date of publication of the nofification in the Himachal Pradesh Rajpatra. Any objection/Suggestion on the above proposal may be sent to the Labour Commissioner Shimla-1 before the expiry of the above period.

By order,
Sd/-
Pr. Secretary (Labour & Employment).

LABOUR & EMPLOYMENT DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-2, *19th May*, 2012

No. Shram (A)1-2/2009(M.W.).—Whereas the Governor, Himachal Pradesh is of the opinion that the minimum rates of wages in the Scheduled employment of "**Public Motor Transport"** may be revised in respect of un-skilled and other categories of workers with effect from **01.04.2012.**

Now, therefore, in exercise of the powers vested in her under clause(b) of sub-section (1) of Section 5 of the Act ibid,the Governor of Himachal Pradesh is pleased to publish the proposal for revision of the minimum wages from 01.04.2012 as under:-

General Staff Unskilled : Rs. 130 /- per day, Rs. 3900/- per month

(a) Peon , Chowkidar, Store Helper, Sweeper, porter, Daftri
(b) Workshop Staff (Unskilled)
Workshop Mazdoor without having any experience

Rs. 130 /- per day, Rs. 3900 /- per month

Semiskilled : Rs. 137.79- per day, Rs.4134/- per month

1. Asstt. Electrician
2. Asstt. Mechanic
3. Asstt. Fitter
4. Asstt. Black Smith
5. Asst. Carpenter
6. Asstt. Welder
7. Asstt. Turner
8. Asstt. Boaring Barman
9. Asstt. Machinist
10. Asstt. Cushion Maker
11. Asstt. Volcanisor
12. Asst. Painter
13. Asstt. Upholster
14. Asstt. Tyreman

15. Asstt.Sprayman
16. Asstt. Electrician Mechanic
17. Asstt. Retrader
18. Workshop Mazdoor having ITI Certificae or having 2 years of probation period who has no ITI Diploma
19. Assistant Molders.

SKILLED

Machanic, Fitter, Blacksmith, Carpenter, Welder, Boring wireman, Machanist, Cusion Maker, Tinsmith, Volcanizer, Painter, Upholster, Tyreman, Spray Painter, Electrician Machanic, Retreader, Molder, Turner. Workshop Mazdoor having ITI certificateor having 2 years of probation period who has no ITI Diploma. The ITI certificate holder who are working in the same trade.	Rs. 158.37 per day or Rs. 4751.00 per month.

HIGHLY SKILLED WORKSHOP STAFF

Head Mechanic Carborator, Head Electrician, GarrageSupervisor	Rs. 183.94 per day or Rs. 5518.00 per month.

GENERAL STAFF (CLERICAL) ETC.

Group-A

Out Agent, Out Agency Clerk, Typist, Steno typist, Store-daybook Writer, Clerk, Assistant Cashier, Booking Clerk (Restorer), Ledger Keeper, Petrol Pump Attendant.	Rs. 157.94 per day or Rs.4738.00 per month.

Group-B

Chief Inspector, Receptionist, Inspector, Checker, Stenographer A Grade, Station Supervisor, Assistant Store-Keeper A Grade, Accountant, Cashier, Tyre Inspector.	Rs.170.18 per day or Rs. 5106.00 per month.

Group-C

Head Assistant, Head Clerk, Auditor, Head Cashier	Rs. 215.08 per day or Rs. 6453.00 per month.

RUNNING STAFF

	Per Day	**Per month**
1. Driver	Rs.186.70	Rs. 5601.00
2. Conductor	Rs. 165.09	Rs. 4953.00
3. Cleaner-cum-Conductor	Rs. 147.70	Rs. 4431.00
4. Part-Time Booking Clerk	Rs. 48.74	Rs. 1462.00

NOTE

1. There will be no distinction between the minimum wages of male or female and adult or non-adult for the same and similar nature of work.
2. Wages of Apprentices are to be regulated under the Apprenticeship Act, 1961(No. 52 of 1961).

3. Where any class of work is performed on piece work basis, the time rate prescribed for the particular category shall be guaranteed for that category.

4. 20% increase will be admissible over and above the minimum rates of wages to the workers working inside the tunnels.

5. 25 % increase shall be applicable over and above the minimum rates of wages in different categories of workers working in 'Under Construction Hydro- Electric Power Projects' located in Non- Tribal Areas.

6. 25% increase shall be applicable over and above the minimum wages in the Scheduled Tribal Areas in Himachal Pradesh. In case of workers working in the Under Construction Hydro- Electric Power Projects' in Tribal Areas an additional 10% increase shall be applicable.

The definition of unskilled/semiskilled/skilled/highly skilled will be as:-

(i). Unskilled.—An unskilled employee is one who does operations that involve the performance of simple duties, which require the experience of little or no independent judgment or previous experience although familiarity with the occupational environment is necessary. His work may thus require in addition to physical exertion familiarity with variety of articles or goods.

(ii) Semi-skilled.—A semiskilled worker is one who does work generally of defined routine nature wherein the major requirement is not so much of the judgment, skill and but for proper discharge of duties assigned to him or relatively narrow job and where important decisions made by others. His work is thus limited to the performance of routine operations of limited scope.

(iii) Skilled.—A skilled employee is one who is capable of working efficiently of exercising considerable independent judgment and of discharging his duties with responsibility. He must posses a thorough and comprehensive knowledge of the trade, craft or industry in which heis employed.

(iv). Highly Skilled.—A highly skilled worker is one who is capable of working efficiently and supervise efficiently the work of skilled employees.

The proposal is, therefore, published for the information of the persons likely to be affected thereby and will be taken into consideration after the expiry of two months from the date of publication of the nofification in the Himachal Pradesh Rajpatra. Any objection/Suggestion on the above proposal may be sent to the Labour Commissioner Shimla-1 before the expiry of the above period.

By order,
Sd/-
Pr. Secretary (Labour & Employment).

LABOUR & EMPLOYMENT DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-2, *the 19th May*, 2012

No. Shram (A)1-2/2009(M.W.).—Whereas the Governor, Himachal Pradesh is of the opinion that the minimum rates of wages in the Scheduled employment of "**Shops and Commercial Establishments"** may be revised in respect of un-skilled and other categories of workers with effect from **01.04.2012.**

Now, therefore, in exercise of the powers vested in her under clause(b) of sub-section (1) of Section 5 of the Act ibid, the Governor of Himachal Pradesh is pleased to publish the proposal for revision of the minimum wages from 01.04.2012 as under:-

Category of employees	**Where no benefit is provided.**	**Where food tea & combined acommodation provided.**
Un skilled	**Rupees**	**Rupees**
Helper / Shop Assistant / Pelledar / Chowkidar / Peon/ Sweeper / Masalchi / Gateman / Waterman / Cleaner / Packer/ Mazdoor/Lander/Unlander/Messanger/ Clock Room Attendant/Porter/ Bhishit/ Beldar/Fireman/ Pandi/ Posterman / any other worker doing un skilled job.	Rs.130/-Daily Rs. 3900/- Monthly.	Rs.110.49/-Daily Rs. 3315/- Monthly.
Semi-Skilled	**Rupees**	**Rupees**
Head porter, Pantryman / Coffee-Teamaker / Chapatiman/ Assistant Baker/Gate Keeper (Cinema)/Asst. Lineman/Assistant Operator/ Binder Assistant/ Bill Collector/ Convesser / Cook/Assistant Halwai/BookBinder/Sticher/Rulling-cutting/ Auctioners/Mali/ Sewerman/ Hotel Guide/ AssistantMistry/ Assistant Fitter/ Assistant Turner/AssistantWelder/ Assistant Electrician / Assistant Salesman / Assistant Barbar / Dhobi, Pressman/Boilerman/Film Rewinder/Water, Bearer), Assistant Radio Machanic/Painter/WhiteWasher/Pakora and Chanamaker/Clerk (Non-matric), Assistant Store Keeper / Distributor and Assistant Machine man. Enquiry Attendent / Telephone Attendent, ITI Certificate Holder.	141.91 Daily 4257.003 Monthly.	121.70 Daily 3651.00 Monthly.
Skilled:	**Rupees**	**Rupees**
Blacksmith/Tinsmith/Watchmaker/Radio Machenic/Carpenter/ Plumber/Driver/Assistant Tailor / Cutter (Tailoring) / General mechanic/Halwai/Cook/Confectioner/Baker/ Steward/ Butler/ Fitter/Draughtsman/TelephoneOperator / Compounder/ Goldsmith. / Shoe Maker / Shawl-Carpet Weaving / Compositor / Cinema Operator/Salesmen/Drycleaner/Dyer/Barber /Regularmachineman / machinist / Welder / Moulder / Cashier / Clerk/ (Matric) Munim /receptionist/Waiter / Bearer/) / Storekeeper/ headwaiter/Head bearer (Western StyleHotels) / Lineman. ITI certificate holder who are working in the same trade.	163.79 Daily 4914.00 P.M.	144.07 Daily 4322.00 P.M.

And such other employees not shown in the list but doing work of skilled nature as mentioned on next page.

Highly Skilled:	**Rupees**	**Rupees**
Store Keeper/ Clerks (Graduates) Accountant/Head Cashier/ Head Cook/Head Butler/Head Baker/Head Confectioner/Head Store Keeper/ Clerks (Graduates) Accountant/Head Cashier/ Head Cook/Head Butler/Head Baker/Head Confectioner/Head mechanic/ Electrician / Foremen / Supervisor. / Tailor / Cutter (Tailoring).	173.70 P.D. 5211.00 P.M.	154.80 P.D. 4644.00 P.M.

NOTE

1. There will be no distinction between the minimum wages of male or female and adult or non-adult for the same and similar nature of work.
2. Wages of Apprentices are to be regulated under the Apprenticeship Act, 1961(No. 52 of 1961).
3. Where any class of work is performed on piece work basis, the time rate prescribed for the particular category shall be guaranteed for that category.
4. 25 % increase shall be applicable over and above the minimum of wages in Tribal Areas in Himachal Pradesh.

The definition of unskilled/semiskilled/skilled/highly skilled will be as:-

(i) Unskilled.—An unskilled employee is one who does operations that involve the performance of simple duties, which require the experience of little or no independent judgment or previous experience although familiarity with the occupational environment is necessary. His work may thus require in addition to physical exertion familiarity with variety of articles or goods.

(ii) Semi-skilled.—A semiskilled worker is one who does work generally of defined routine nature wherein the major requirement is not so much of the judgment, skill and but for proper discharge of duties assigned to him or relatively narrow job and where important decisions made by others. His work is thus limited to the performance of routine operations of limited scope.

(iii) Skilled.—A skilled employee is one who is capable of working efficiently of exercising considerable independent judgment and of discharging his duties with responsibility. He must posses a thorough and comprehensive knowledge of the trade, craft or industry in which he is employed.

(iv) Highly Skilled.—A highly skilled worker is one who is capable of working efficiently and supervises efficiently the work of skilled employees.

The proposal is, therefore, published for the information of the persons likely to be affected thereby and will be taken into consideration after the expiry of two months from the date of publication of the nofification in the Himachal Pradesh Rajpatra. Any objection/Suggestion on the above proposal may be sent to the Labour Commissioner Shimla-1 before the expiry of the above period.

By order,
Sd/-
Pr. Secretary (Labour & Employment).

LABOUR & EMPLOYMENT DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-2, *19th May*, 2012

No. Shram (A)1-2/2009(M.W.).—Whereas the Governor, Himachal Pradesh is of the opinion that the minimum rates of wages in the Scheduled employment of "**Forestry Industries"** may be revised in respect of un-skilled and other categories of workers with effect from **01.04.2012.**

Now, therefore, in exercise of the powers vested in her under clause(b) of sub-section (1) of Section 5 of the Act ibid, the Governor of Himachal Pradesh is pleased to publish the proposal for revision of the minimum wages from 01.04.2012 as under:-

Category of Workers	**Revised Minimum Wages**	
	Daily	**Monthly**
	Rs.130.00	Rs. 3900.00
UNSKILLED WORKEPRS		
1. Felling of trees decem		
1. Lopper (Changi)	Rs.141.91	Rs.4257.00
2. Feller (Garani)	Rs.134.70	Rs.4041.00
2. Logging and sawing including timber passing		
1. Dresser (Panchani)	Rs.134.70	Rs.4041.00
2. Sawyer (Charani)	Rs.183.94	Rs.5518.00
3. Blacksmith	Rs.167.80	Rs.5034.00
3. Carriage stacking and timber passing by manual labour		
1. Mazdoor for carriage	Rs.134.70	Rs.4041.00
2. Mazdoor for loading and un loading of timber	Rs.134.70	Rs.4041.00
4. Carriage of timber by Aerial ropeways :		
1. Span Mistry-cum-Supervisor	Rs.183.94	Rs. 5518.00
2. Span Mistry	Rs.167.80	Rs. 5034.00
5. Carriage by water slide (pucci Nalli) dry slide (Pathru), Nullah Bhaan DaryaBahaan (River floting) :		
1. Mohri-wala Mistry	Rs.202.79	Rs. 6084.00
2. Taru	Rs.191.41	Rs. 5742.00
3. Asstt. Mistry/Helper Mistry	Rs.173.70	Rs. 5211.00
4. Darya-man	Rs.191.41	Rs. 5742.00
5. Ghalu	Rs.150.79	Rs. 4524.00
6. Jamadar	Rs.150.79	Rs. 4524.00
6. Mechanised logging and timber extraction		
1. Surveyor	Rs.185.51	Rs. 5565.00
2. Ski-line Operator	Rs.167.80	Rs. 5034.00

3.	Truck Driver	Rs.152.42	Rs. 4573.00
4.	Compressor Driver	Rs.152.42	Rs. 4573.00

7. Clerical Staff

1.	Manager	Rs. 225.70	Rs.6771.00
2.	Accountant	Rs.155 .99	Rs. 4680.00
3.	Munshi Typist clerk	Rs.134.70	Rs. 4041.00

8. Saw Mill Workers

1.	Band Saw Mistry	Rs.167.80	Rs.5034.00
2.	Supervisor	Rs.165.41	Rs.4963.00
3.	Head Mistry	Rs.167.80	Rs.5034.00
4.	Boiler Driver	Rs.167.80	Rs.5034.00
5.	Assistant Mistry	Rs.137.79	Rs.4134.00
6.	Planner Mistry	Rs.137.79	Rs.4134.00
7.	Helper	Rs.134.70	Rs.4041.00
8.	Cutter man	Rs.137.79	Rs.4134.00

9. Katha Extraction

1.	Feller and Chipper	Rs.134.70	Rs.4041.00
2.	Katha Supervisor/Katha Processor	Rs.141.91	Rs.4257.00

Highly Skilled

Boiler Attendant (Ist Class) Overseer, Head Foreman= Rs. 209.94.P.D.
Rs. 6298 P.M.

NOTE

1. These rate shall be effective w.e.f. **01.04.2012**
2. There will be no distinction between the minimum wages of male or female and adult or non-adult for the same and similar nature of work.
3. Wages of Apprentices are to be regulated under the Apprenticeship Act, 1961(No. 52 of 1961).
4. Where any class of work is performed on piece work basis, the time rate prescribed for the particular category shall be guaranteed for that category.
5. 25 % increase shall be applicable over and above the minimum of wages in Tribal Areas in Himachal Pradesh.

The definition of unskilled/semiskilled/skilled/highly skilled will be as:-

(i) Unskilled.—An unskilled employee is one who does operations that involve the performance of simple duties, which require the experience of little or no independent judgment or previous experience although familiarity with the occupational environment is necessary. His work may thus require in addition to physical exertion familiarity with variety of articles or goods.

(ii) Semi-skilled.—A semiskilled worker is one who does work generally of defined routine nature wherein the major requirement is not so much of the judgment, skill and but for proper discharge of duties assigned to him or relatively narrow job and where important decisions made by others. His work is thus limited to the performance of routine operations of limited scope.

(iii) Skilled.—A skilled employee is one who is capable of working efficiently of exercising considerable independent judgment and of discharging his duties with responsibility. He must posses a thorough and comprehensive knowledge of the trade, craft or industry in which he is employed.

(iv) Highly Skilled.—A highly skilled worker is one who is capable of working efficiently and supervises efficiently the work of skilled employees.

The proposal is, therefore, published for the information of the persons likely to be affected thereby and will be taken into consideration after the expiry of two months from the date of publication of the nofification in the Himachal Pradesh Rajpatra. Any objection / Suggestion on the above proposal may be sent to the Labour Commissioner Shimla-1, before the expiry of the above period.

By order,
Sd/-
Pr. Secretary (Labour & Employment).

LABOUR & EMPLOYMENT DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-2, *19th May*, 2012

No. Shram (A)1-2/2009(M.W.).—Whereas the Governor, Himachal Pradesh is of the opinion that the minimum rates of wages in the Scheduled employment of "**Chemical and Chemical Products"** may be revised in respect of un-skilled and other categories of workers with effect from **01.04.2012.**

Now, therefore, in exercise of the powers vested in her under clause(b) of sub-section (1) of Section 5 of the Act ibid,the Governor of Himachal Pradesh is pleased to publish the proposal for revision of the minimum wages from 01.04.2012 as under:-

Category of Workers	**Revised minimum rates**
Unskilled	Rs. 130.00 P.D Rs. 3900.00. P.M.
Semi Skilled	
Assistant Electrician, Assistant Fitter, Assistant Turner, Assistant Welder, Assistant Moulder, Assistant Plant Operator, Assistant Blacksmith, Assistant Copraman, Re-irrigation, Assistant, Jamadar, Eastman, East cultivator, Switch Board Attendant, Wireman, Postalman, Fireman, Oilman, Pumpman Grade-I, Machine Levellor, Selector, Cuttercum-Market seller/Empular, Hageman. ITI Certificate Holder.	Rs.136.49 P.D. Rs.4095 00 P.M.
Skilled	
Saltman, Electrician, Fitter, Copperman, Turner, Moulder, Black-smith, Plant operator, Mason, Carpenter, Assistant Foreman,	Rs.145.32 P.D. Rs. 4360.00 P.M.

Head Jamadar, Boiler Attendant Grade-II, Workshop Foreman, Electrician Foreman, Engine Driver, Draughtsman, Assistant Chemist, Machineman, Cashier/Clerk (Matriculate), Salesman, Receptionist, Typist, Store-keeper I.T.I. certificate holder who are working in the same trade.

Highly Skilled

Boiler Attendant (First-Class) Overseer, Head Foreman	Rs. 155.99 P.D. Rs. 4680. 00 P.M.

NOTE

These rate shall be effective *w.e.f.* **01.04.2012**

1. There will be no distinction between the minimum wages of male or female and adult or non-adult for the same and similar nature of work.
2. Wages of Apprentices are to be regulated under the Apprenticeship Act, 1961(No. 52 of 1961).
3. Where any class of work is performed on piece work basis, the time rate prescribed for the particular category shall be guaranteed for that category.

4. 25 % increase shall be applicable over and above the minimum of wages in Tribal Areas in Himachal Pradesh.

The definition of unskilled/semiskilled/skilled/highly skilled will be as.—An unskilled employee is one who does operations that involve the performance of simple duties, which require the experience of little or no independent judgment or previous experience although familiarity with the occupational environment is necessary. His work may thus require in addition to physical exertion familiarity with variety of articles or goods.

(ii) Semi-skilled.—A semiskilled worker is one who does work generally of defined routine nature wherein the major requirement is not so much of the judgment, skill and but for proper discharge of duties assigned to him or relatively narrow job and where important decisions made by others. His work is thus limited to the performance of routine operations of limited scope.

(i) Skilled.—A skilled employee is one who is capable of working efficiently of exercising considerable independent judgment and of discharging his duties with responsibility. He must posses a thorough and comprehensive knowledge of the trade, craft or industry in which he is employed.

(IV). Highly Skilled.—A highly skilled worker is one who is capable of working efficiently and supervises efficiently the work of skilled employees.

The proposal is, therefore, published for the information of the persons likely to be affected thereby and will be taken into consideration after the expiry of two months from the date of publication of the nofification in the Himachal Pradesh Rajpatra. Any objection/Suggestion on the above proposal may be sent to the Labour Commissioner Shimla-1 before the expiry of the above period.

By order,
Sd/-
Pr. Secretary (Labour & Employment).

LABOUR & EMPLOYMENT DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-2, *19th May*, 2012

No. Shram (A)1-2/2009(M.W.).—Whereas the Governor, Himachal Pradesh is of the opinion that the minimum rates of wages in the Scheduled employment of "**Engineering Industries"** may be revised in respect of un-skilled and other categories of workers with effect from **01.04.2012.**

Now, therefore, in exercise of the powers vested in her under clause(b) of sub-section (1) of Section 5 of the Act ibid,the Governor of Himachal Pradesh is pleased to publish the proposal for revision of the minimum wages from 01.04.2012 as under:-

Un-Skilled	Rs. 130.00.P.D Rs. 3900.00 P.M.
Semi skilled	
Taper Grade-I, Turner Grade-II, Driller Grade-III, Romer Grade-II, Shareman Grade-III, Machine man, Machinist/Operator Grade-II, Bragar Grade-II, Head Spinning Winder, Liner Grade-II, Press Operator Grade-II, Spray Painter Grade-II, Transfer Fixer Grade-II, Assembler Grade-II, Cobbler, Rubber Rosin Cutter,Tailor Grade-II, Material Checker, Fitter Frame, Numbering man, Frame Sender, Electroplater Grade-III, Mopper Grade-II, Grinder Grade-II, Pickler, Polishman, Buferman, Head Mechanic Operator Grade-II, Thread/ Roller Operator Grade-II, Book-screw Machine Operator Grade-II, Feeder Grade-II, Dye Maker Grade-II, Welder Grade-II, Tin Smith Grade-II, Pipe Reader, Hammer man Grade-II, Electric Lineman Grade-II, Voucher Inspector Grade-II, Lister Diesel Engine Driver Grade-III, Oilman.	Rs. 133.51 P.D. Rs.4005.00 P.M.
Skilled	
Taper Grade-II, Turner Grade-II, Driller Grade-I, Shaper Grade-I, Shaperman Grade-II, Slaughterman Grade-II, Machanist/Operator/ Brager Grade-1, Liner Grade-I, Spray Painter Grade-I, Transfer Mixer Grade-I, Press Operator Grade-I, Assembler Grade-I, Tailor Grade-I, Electroplater Grade-II, Moper Grade-I, Grinder Grade-I, Head Machine Operator-I, Thread and Roller Machine Operator Grade-I, Book screw Machine Operator Grade-I, Gold Draw Machine Operator Grade-II, Fitter Grade-II, Carpenter/Pattern Maker Grade-II, Dye Maker Grade-I, Saister Grade-II, Welder Grade-I, Tinsmith Grade-II, Hammerman Grade-I, Blacksmith Grade-II, Tool Setter Grade-II, Electrical Lineman Grade-II, Electrician Grade-II, Armature Winder and Coil winder Grade-I, Cable Jointer Grade-II, Voucher Inspector Grade-II, Lister Diesel Engine Driver Grade-II, Moulder Grade-II, Supervisor, ITI Certificate Holder who are working in the same trade.	Rs.163.79 P.D. Rs.4914 .00 P.M.

Highly Skilled

Turner Grade-I, Grinding Machine Operator, Shaper man Grade-I, Slaughter man Grade-I, Miller Grade-I. Electroplater Grade-I, Gold Draw Machine Operator Grade-I, Fitter Grade-I, Carpenter/ Pattern Maker Grade-I, Dye maker Grade-I, Engraver Grade-I, Blacksmith Grade-I, Dye Setter Grade-I, Tool Setter Grade-I, Electrician Grade-I.	Rs. 163.79 P.D. Rs. 4914.00 P.M.
Clerical Staff	
Cashier (Matriculate) Clerk, Salesman, Typist Storekeeper	Rs. 145. 32 P.D. Rs. 4360.00 P.M.

NOTE

1. These rate shall be effective w.e.f. **01.04.2012**

2. There will be no distinction between the minimum wages of male or female and adult or non-adult for the same and similar nature of work.

3. Wages of Apprentices are to be regulated under the Apprenticeship Act, 1961(No. 52 of 1961).

4. Where any class of work is performed on piece work basis, the time rate prescribed for the particular category shall be guaranteed for that category.

5. 20% increase will be admissible over and above the minimum rates of wages to the workers working inside the tunnels.

6. 25 % increase shall be applicable over and above the minimum rates of wages in different categories of workers working in 'Under Construction Hydro- Electric Power Projects' located in Non- Tribal Areas.

7. 25% increase shall be applicable over and above the minimum wages in the Scheduled Tribal Areas in Himachal Pradesh. In case of workers working in the Under Construction Hydro-Electric Power Projects' in Tribal Areas an additional 10%increase shall be applicable.

The definition of unskilled/semiskilled/skilled/highly skilled will beas:-

(i) Skilled.—An unskilled employee is one who does operations that involve the performance of simple duties, which require the experience of little or no independent judgment or previous experience although familiarity with the occupational environment is necessary. His work may thus require in addition to physical exertion familiarity with variety of articles or goods.

(ii) Semi-skilled.—A semiskilled worker is one who does work generally of defined routine nature wherein the major requirement is not so much of the judgment, skill and but for proper discharge of duties assigned to him or relatively narrow job and where important decisions made by others. His work is thus limited to the performance of routine operations of limited scope.

(iii) Skilled.—A skilled employee is one who is capable of working efficiently of exercising considerable independent judgment and of discharging his duties with responsibility. He must posses a thorough and comprehensive knowledge of the trade, craft or industry in which he is employed.

(iv) Highly Skilled.—A highly skilled worker is one who is capable of working efficiently and supervises efficiently the work of skilled employees.

The proposal is, therefore, published for the information of the persons likely to be affected thereby and will be taken into consideration after the expiry of two months from the date of publication of the nofification in the Himachal Pradesh Rajpatra. Any objection/Suggestion on the above proposal may be sent to the Labour Commissioner Shimla-1 before the expiry of the above period.

By order,
Sd/-
Pr. Secretary (Labour & Employment).

LABOUR & EMPLOYMENT DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-2, *19th May*, 2012

No. Shram (A)1-2/2009(M.W.).—Whereas the Governor, Himachal Pradesh is of the opinion that the minimum rates of wages in the Scheduled employment of "**Tea Plantation"** may be revised in respect of un-skilled and other categories of workers with effect from **01.04.2012.**

Now, therefore, in exercise of the powers vested in her under clause(b) of sub-section (1) of Section 5 of the Act ibid,the Governor of Himachal Pradesh is pleased to publish the proposal for revision of the minimum wages from 01.04.2012 as under:-

Category of Workers	**Revised Minimum Wages**
Field workers in Tea Plantation employed on plantation up rooting, spraying, manufacturing, shade lopping, hocing, pruning weeding, plucking etc. known as unskilled workers employed in the operation;	Rs. 130.00 Per day or Rs. 3900.00 per month.

A-Grade .—If plucker plucks more than 12 kilogram of tea leaves he or she will get Rs.9.42 paise per kilogram extra as incentive.

B Grade Leaves.—If plucker plucks more than 13 kilogram of tea leaves he or she will get Rs.7.04 paise per kilogram extra as incentive.
C-Grade Leaves.—If plucker plucks more than 16 kilogram of tea leaves he or she will get Rs 5.30 paise per kilogram extra as incentive.

The piece rates workers employed for plucking will get. Rs. 9.42 paise, Rs. 7.04 paise Rs.5.30 paise per kilogram for A,B,C grade of teas leaves respectively.

SEMI-SKILLED.—Workers engaged in Tea Factory & Tea Plantations Rs.133.50 per day, Rs.4006/- per month.

FACTORY:

Include lift Mazdoor withering Mazdoor, relling room workers, shifting Mazdoor, fermenting room workers, tea boys , sorters, tea makers, time keeper and carriers (Jhalli).

PLANTATION:

Cleaners, Assistant Cleaner, Garden Assistant, Muharirs etc. who maintain records of a field work and also includes sweeper, Mali & Mate.

	Daily	Monthly
Adults	**Rs.130.00**	**Rs.3900.00**

CLERICAL AND NON-TECHNICAL SUPERVISORY STAFF

OFFICE STAFF:

1.	Accountant	241.08	Rs.7233.00 per month plus free accom-modation.
2.	Clerks	163.79	Rs. 4914.00 per month plus free accom-modation.
3.	Munshi	171.32	Rs. 5140.00 per month plus free benefits as admissible to clerk.
4.	Peon, Chowkidar/Chaudhary	133.51	Rs. 4006.00 per month plus free benefit as admissible.

		Daily	**Monthly**
5.	Compounder	Rs. 217.41	Rs. 6522.00
6.	Driver (Jeep/ Car/ Tractor)	Rs. 186.70	Rs. 5601.00
7.	Mechanic	Rs. 219.80	Rs. 6594.00
8.	Assistant Mechanic	Rs. 185.51	Rs. 5565.00
9.	Electrician-cum- Mechanic, Grade-I	Rs. 219.80	Rs. 6594.00
10.	Electrician-cum-Mechanic, Grade-II	Rs.185.51	Rs. 5565.00

The above rates are inclusive all allowances.

NOTE

1. These rate shall be effective w.e.f. **01.04.2012**
2. There will be no distinction between the minimum wages of male or female and adult or non-adult for the same and similar nature of work.
3. Wages of Apprentices are to be regulated under the Apprenticeship Act, 1961(No. 52 of 1961).
4. Where any class of work is performed on piece work basis, the time rate prescribed for the particular category shall be guaranteed for that category.

The proposal is, therefore, published for the information of the persons likely to be affected thereby and will be taken into consideration after the expiry of two months from the date of publication of the notification in the Himachal Pradesh Rajpatra. Any objection/Suggestion on the above proposal may be sent to the Labour Commissioner Shimla-1 before the expiry of the above period.

By order,
Sd/-
Pr. Secretary (Labour & Employment).

LABOUR & EMPLOYMENT DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-2, *19th May*, 2012

No. Shram (A)1-2/2009(M.W.).—Whereas the Governor, Himachal Pradesh is of the opinion that the minimum rates of wages in the Scheduled employment of "**Manufacturing Process as Defined in Clause (K) of Section 2 of Factories Act, 1948."** may be revised in respect of un-skilled and other categories of workers with effect from **01.04.2012.**

Now, therefore, in exercise of the powers vested in her under clause(b) of sub-section (1) of Section 5 of the Act ibid,the Governor of Himachal Pradesh is pleased to publish the proposal for revision of the minimum wages from 01.04.2012 as under:-

Un-skilled Workers	**Rs.130.00 per day**	**or**	**Rs. 3900.00 per month**
Semi-skilled	**Rs.137.09 P.D.**	**or**	**Rs. 4113.00 per month**
Skilled & clerical staff	**Rs.146.51 P.D.**	**or**	**Rs. 4395.00 per month**
Highly-Skilled	**Rs. 155.99 P.D.**	**or**	**Rs. 4680.00 per month**

NOTE

1. These rate shall be effective w.e.f. **01.04.2012**
2. There will be no distinction between the minimum wages of male or female and adult or non-adult for the same and similar nature of work.
3. Wages of Apprentices are to be regulated under the Apprenticeship Act, 1961(No. 52 of 1961).
4. Where any class of work is performed on piece work basis, the time rate prescribed for the particular category shall be guaranteed for that category.
5. 25% increase shall be applicable over and above the minimum wages in the Scheduled Tribal Areas in Himachal Pradesh.

The definition of unskilled/semiskilled/skilled/highly skilled will be as:-

(i) Unskilled.—An unskilled employee is one who does operations that involve the performance of simple duties, which require the experience of little or no independent judgment or previous experience although familiarity with the occupational environment is necessary. His work may thus require in addition to physical exertion familiarity with variety of articles or goods.

(ii) Semi-skilled.—A semiskilled worker is one who does work generally defined routine nature wherein the major requirement is not so much of the judgment, skill and but for proper discharge of duties assigned to him or relatively narrow job and where important decisions made by others. His work is thus limited to the performance of routine operations of limited scope.

(iii) Skilled.—A skilled employee is one who is capable of working efficiently of exercising considerable independent judgment and of discharging his duties with responsibility. He must posses a thorough and comprehensive knowledge of the trade, craft or industry in which he is employed.

Highly Skilled.—A highly skilled worker is one who is capable of working efficiently and supervises efficiently the work of skilled employees.

The proposal is, therefore, published for the information of the persons likely to be affected thereby and will be taken into consideration after the expiry of two months from the date of publication of the nofification in the Himachal Pradesh Rajpatra. Any objection/Suggestion on the above proposal may be sent to the Labour Commissioner Shimla-1 before the expiry of the above period.

By order,
Sd/-
Pr. Secretary (Labour & Employment).

LABOUR & EMPLOYMENT DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-2, *19th May*, 2012

No. Shram (A)1-2/2009(M.W.).—Whereas the Governor, Himachal Pradesh is of the opinion that the minimum rates of wages in the Scheduled employment of "**Hotel and Restaurants"** may be revised in respect of un-skilled and other categories of workers with effect from **01.04.2012.**

Now, therefore, in exercise of the powers vested in her under clause(b) of sub-section (1) of Section 5 of the Act ibid,the Governor of Himachal Pradesh is pleased to publish the proposal for revision of the minimum wages from 01.04.2012 as under:-

Category of Workers	**Revised Wages**	
	Where no benefit is provided	**Where food, tea and combined accommodation provided.**
1	**2**	**3**
UN-SKILLED: Helper/ Chowkidar/ Peon/ Sweeper/Masalachi/ Gateman/ Waterman / Messenger / Clock Room Attendant / Poter/ Bhishti/ Beldar/ Fireman/ Pandi/Posterman / any worker doing un-skilled job.	**Rupees** Rs.130/- Daily Rs. 3900/- Monthly.	**Rupees** Rs. 110.49/-Daily Rs. 3315 /-Monthly
SEMI-SKILLED WORKER: Pantryman /Coffee-Tea Maker/ Chapatiman / Assistant Baker/Cook/ Assistant Halwai/ Book Binder / Sticher / Ruling Cutting / Auctioners / Mali / Hotel Guide/ Assistant Mistry/ Assistant Fitter/Sewerman/ Assistant Turner /Assistant.Welder/Assistant Electrician/Assistant Salesman/Assistant Barber/Dhobi, Pressman/Boilerman/ Film Rewinder/ Water Bearer /Assistant Radio Mechanic/ Painter/White Washer/ Pakora and Chana Maker/Clerk (Non-Matric), Assistant Store Keeper/Distributor and Assistant Machinman. Enquiry Attendant, Telephone Attendant.ITI certificate holder who are working in the other trade.	**Rupees** 141.91 Daily 4257.00 Monthly	**Rupees** 122.45 Daily 3674.00 Monthly.

SKILLED WORKERS :	**Rupees**	**Rupees**
Driver/Halwai/Cook/Confectioner/Baker/Steward/Butler/ Draughtsman/Telephone Oper ator/Receptionist/Waiter/ Bearer Store Keeper/Head Waiter/Head Bearer (Western Style Hotel.) ITI certificate holder who are working in the same trade.	163.79 Daily 4914.00P.M.	144.07 Daily 4322.00 P.M.

Highly Skilled	**Rupees**	**Rupees**
Store Keeper/Clerks (Graduates) Accountant/Head Cashier/ Head Cook/Head Butler/Head Baker / Head Confectioner/ Head mechanic/ Electrician/Foremen / Supervisor./ Tailor/ Cutter (Tailoring).	173.70 P.D. 5211. 00.P.M.	154.80 P.D. 4644.00 P.M.

NOTE

1. These rate shall be effective w.e.f. **01.04.2012**

2. There will be no distinction between the minimum wages of male or female and adult or non-adult for the same and similar nature of work.

3. Wages of Apprentices are to be regulated under the Apprenticeship Act, 1961(No. 52 of 1961).

4. Where any class of work is performed on piece work basis, the time rate prescribed for the particular category shall be guaranteed for that category.

5. 25% increase shall be applicable over and above the minimum wages in the Scheduled Tribal Areas in Himachal Pradesh.

The definition of unskilled/semiskilled/skilled/highly skilled will be as:-

(i) Unskilled.—An unskilled employee is one who does operations that involve the performance of simple duties, which require the experience of little or no independent judgment or previous experience although familiarity with the occupational environment is necessary. His work may thus require in addition to physical exertion familiarity with variety of articles or goods.

(ii) Semi-skilled.—A semiskilled worker is one who does work generally of defined routine nature wherein the major requirement is not so much of the judgment, skill and but for proper discharge of duties assigned to him or relatively narrow job and where important decisions made by others. His work is thus limited to the performance of routine operations of limited scope.

(iii) Skilled.—A skilled employee is one who is capable of working efficiently of exercising considerable independent judgment and of discharging his duties with responsibility. He must posses a thorough and comprehensive knowledge of the trade, craft or industry in which he is employed.

(iv) Highly Skilled.—A highly skilled worker is one who is capable of working efficiently and supervises efficiently the work of skilled employees.

The proposal is, therefore, published for the information of the persons likely to be affected thereby and will be taken into consideration after the expiry of two months from the date of publication of the nofification in the Himachal Pradesh Rajpatra. Any objection/Suggestion on the above proposal may be sent to the Labour Commissioner Shimla-1 before the expiry of the above period.

By order,
Sd/-
Pr. Secretary (Labour & Employment).

LABOUR & EMPLOYMENT DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-2, the 19th May,2012

No.Shram (A)1-2/2009(M.W.).—Whereas the Governor, Himachal Pradesh is of the opinion that the minimum rates of wages in the Scheduled employment **of "Private Educational Institutes"** may be revised in respect of un-skilled and other categories of workers with effect from 01.04.2012.

Now, therefore, in exercise of the powers vested in her under clause(b) of sub-section (1) of Section 5 of the Act ibid,the Governor of Himachal Pradesh is pleased to publish the proposal for revision of the minimum wages from 01.04.2012 as under:-

Un-skilled Workers:	**Rs.130.00 per day or Rs.3900.00 per month**
Semi-skilled :	**Rs.137.09 P.D. or Rs.4113.00 per month**
Skilled :	**Rs.146.51 P.D. or Rs.4395.00 per month**

NOTE :

1. These rate shall be effective w.e.f. 01.04.2012

2. There will be no distinction between the minimum wages of male or female and adult or non-adult for the same and similar nature of work.

3. Wages of Apprentices are to be regulated under the Apprenticeship Act, 1961(No. 52 of 1961).

4. Where any class of work is performed on piece work basis, the time rate prescribed for the particular category shall be guaranteed for that category.

5. 25% increase shall be applicable over and above the minimum wages in the Scheduled Tribal Areas in Himachal Pradesh.

The definition of unskilled/semiskilled/skilled/highly skilled will be as:-

(i) **Unskilled.—**An unskilled employee is one who does operations that involve the performance of simple duties, which require the experience of little or no independent judgment or previous experience although familiarity with the occupational environment is necessary. His work may thus require in addition to physical exertion familiarity with variety of articles or goods.

(ii) **Semi-skilled.—**A semiskilled worker is one who does work generally of defined routine nature wherein the major requirement is not so much of the judgment, skill and but for proper discharge of duties assigned to him or relatively narrow job and where important decisions made by others. His work is thus limited to the performance of routine operations of limited scope.

(iii) **Skilled.—**A skilled employee is one who is capable of working efficiently of exercising considerable independent judgment and of discharging his duties with responsibility. He must posses a thorough and comprehensive knowledge of the trade, craft or industry in which he is employed.

(iv) **Highly Skilled.—**A highly skilled worker is one who is capable of working efficiently and supervises efficiently the work of skilled employees.

The proposal is, therefore, published for the information of the persons likely to be affected thereby and will be taken into consideration after the expiry of two months from the date of publication of the nofification in the Himachal Pradesh Rajpatra. Any objection/Suggestion on the above proposal may be sent to the Labour Commissioner Shimla-1 before the expiry of the above period.

By order,
Sd/-
Pr. Secretary (Labour & Employment).

HIMACHAL PRADESH ELECTRICITY REGULATORY COMMISSION SHIMLA

NOTIFICATION

Shimla-171002 the 18th May, 2012

No. HPERC/419.- In exercise of the powers conferred by section 46, read with section 181, of the Electricity Act, 2003 (36 of 2003) and all other powers enabling it in this behalf, and in supersession of Himachal Pradesh Electricity Regulatory Commission (Recovery of Expenditure for supply of Electricity) Regulations, 2005, published in the Rajpatra, Himachal Pradesh (Extra), dated 4th April, 2005, the Himachal Pradesh Electricity Regulatory Commission, after previous publication, makes the following Regulations :-

REGULATIONS

1. Short title, extent and commencement.—(1) These Regulations may be called the Himachal Pradesh Electricity Regulatory Commission (Recovery of Expenditure for Supply of Electricity) Regulations, 2012.

(2) These Regulations shall be applicable to all the distribution licensees in their respective licensed areas, in the State of Himachal Pradesh.

(3) These Regulations shall come into force on the date of their publication in the Rajpatra, Himachal Pradesh.

2. Definitions.—In these Regulations, unless the context otherwise requires,-

(a) "Act" means the Electricity Act, 2003 (36 of 2003);

(b) "applicant" means an owner or occupier of any land/premises (including the authorised representative of such owner or occupier) who makes an application to a licensee for supply of electricity and/or for any other purpose covered under these Regulations;

(c) "Commission" means the Himachal Pradesh Electricity Regulatory Commission;

(d) "Demand Notice" means the notice to be issued by the licensee to the applicant in accordance with the regulation 3 of the Himachal Pradesh Electricity Regulatory Commission (Licensee's Duty for supply of Electricity Request) Regulations, 2004 and Clause 3.1.4 of Himachal Pradesh Electricity Supply Code, 2009, read with the provisions of these Regulations.

(e) "extra high tension (EHT)" means supply voltages above 33000 volts;

(f) "Supply Code" means the Himachal Pradesh Electricity Supply Code, 2009, read with its amendments from time to time and the provisions of these Regulations; and (g) other words and expressions used and not defined in these Regulations, but defined in Act, shall have the meanings as assigned to them in the Act.

3. Power to recover expenditure.- Subject to the provisions of the Act and these Regulations and subject further to such directions, orders or guidelines which the Commission may issue, the distribution licensee is authorised to recover such expenses as may be reasonably incurred by it in providing any electric line and the electrical plant used for the purpose of giving supply of electricity and the recoverable expenditure shall be computed in accordance with the principles contained in these Regulations and at the rates approved by the Commission pursuant to these Regulations.

4. Expenses for providing service line.—The distribution licensee shall recover all expenses reasonably incurred on the works related to laying of service line to the premises of the applicant as well as the cost of providing terminal equipment and other arrangements (except the cost of meter, CT and PT) at the applicant's premises :

Provided that the distribution licensee may, with the approval of the Commission, recover the expenses on the basis of average or normative rates for providing the service lines for the purpose of giving supply of electricity to one or more categories of applicants based on connected load or contract demand, voltage level, nature of load, tariff classification and length and specification of service lines:

Provided further that in cases where the normative rates have been approved by the Commission for a particular period for a particular type of service line, the recovery for laying of that type of service line shall be made by the distribution licensee only in accordance with the rates and terms and conditions so approved by the Commission for that period:

Provided further that the Commission may direct the licensee to recover the cost of service line under this regulation at fixed per kilometer rates, based on the standard cost data, for all or any of the categories:

Provided further that the average or normative rates shall, unless specifically approved by the Commission, not apply to the temporary connections.

5. Expenses for the distribution system other than service lines.—(1) The distribution licensee shall also be authorised to recover such proportion, as may be considered reasonable by the Commission, of the expenses incurred, or to be incurred, for creation, including augmentation or additions, of the distribution system, other than those for the service lines, for the infrastructural development as a continuous and co-ordinated process, so as to meet its obligations for supply of power to the applicants for permanent connections under the Himachal Pradesh Electricity Regulatory Commission (Licensee's Duty for Supply of Power on Request) Regulations, 2004 and such recovery shall be regulated under the provisions of this regulation and also other relevant provisions of these regulations.

(2) Save as provided under sub-regulation (3), the distribution licensee shall recover the expenses in the shape of infrastructural development charges at the normative rates and associated terms and conditions, as may be approved by the Commission for the various slabs and categories based on the connected load or contract demand and/or supply voltages and/or nature of loads and/or geographical areas and/or tariff classification:

Provided that for determining the normative rates per kW or kVA for the connected load or contract demand, as the case may be, the Commission shall ordinarily consider the following on normative basis:-

(i) the estimated cost of providing, erecting and commissioning one transformer of appropriate capacity and voltage ratings on normative basis, alongwith two bays (i.e. one on each side of the transformer) but excluding the cost of land and other components of the substation;

(ii) the estimated costs of two electrical lines (i.e. one for each side of the transformer considered under the preceding clause (i)) of such normative lengths as may be considered appropriate by the Commission;

(iii) any other costs as may be considered appropriate by the Commission;

(iv) the connected loads or contract demands, as the case may be, that can be catered for various categories under preceding clauses (i), (ii) and (iii) after applying suitable demand and diversity factors and suitable factor(s) for redundancy in the system; and

(v) allocation factors as well as the terms and conditions, as the Commission may find to be reasonable and appropriate:

Provided further that the Commission may fix the normative rates for per kVA of the contract demand in case of supply to be governed by two part tariff (i.e. energy and demand) and per kW of connected load in case of supply to be governed by single part tariff (i.e. energy) :

Provided further that the Commission may, while fixing the normative rates, restrict the rates worked out under the first proviso to this sub-regulation to such ceiling limits for respective categories as it may consider necessary:

Provided further that the normative rates shall, unless specifically approved by theCommission, not apply to the temporary connections :

Provided further that the entire cost, including the cost of all components as well as the additional recovery or refund under sub-regulation (9), of the bays required to be executed at the sub-station(s), including the cost of re-organising the bays, if any, exclusively for faciliting and/or controlling supply of power to an applicant or group of applicants shall also be recovered from the applicant(s) in addition to the normative rates:

Provided further that in cases where provisions of sub-regulation (3) are attracted, the amounts worked out under this sub-regulation and sub-regulation (9) shall be considered as the minimum amounts to be borne by such applicants.

(3) In case of an applicant or group of applicant(s), where-

(i) the supply of power is required at a site in an area, which does not have appropriate infrastructure for catering the loads of the nature and quantum required by the applicant(s) and where no other significant growth of load, at the voltage level similar to that at which supply is required, is foreseen in the immediate future, including the sites where locations of the loads depend upon the geographical factors and availability of basic rawmaterial such as for cement factories and construction power for hydroelectric projects; and

(ii) the total estimated cost of the works required to be executed for the appropriate capacities, keeping in view the minimum capacities standardised or generally planned by the licensee for the relevant voltage level(s), exceeds the summation of the amounts payable by the applicant or the group of applicants pursuant to sub-regulation (2) ;

the licensee may require the applicant or the group of applicants to deposit the entire estimated cost of the works required for facilitating adequate provision in backup system and supply of power to such applicants :

Provided that if, subsequent to receipt of applications but before the commissioning of works, some more application(s) are received for loads to be released on permanent basis, at voltage levels similar to those for the original applicant(s), by using the works envisaged for the original applicants, such additional applications shall be clubbed together with the original applications for the purpose of recovery of costs and treated at par with original applicants and shall also be considered as original applicant(s) for all intents and purposes of regulation 5 and regulation 6 :

Provided further that in case of works required to be executed for a group of applicants under this sub-regulation, the costs shall be apportioned as under :-

(i) cost of common works shall be recovered on pro rata basis in the ratio of contract demands of various applicants;

(ii) cost of exclusive works shall be charged exclusively to the applicant(s) for whom such works have been/are required to be executed; and

(iii) cost of other works shall be charged, on proportionate basis, to the applicants for whose benefit such works are required to be used:

Provided further that the provisions under the succeeding sub-regulations (4) to (9) shall also be applicable in case of the connections released under this subregulation.

(4) The licensee shall be entitled to use the spare capacity in the works executed under sub-regulation(3) for release of connections to the subsequent applicant(s), or otherwise, and also to recover the charges/costs, as per sub- regulations(2) and (9) as applicable, from such subsequent applicant(s).

(5) The original applicant (s) under sub regulation 3, who have borne the entire cost of the infrastructural works, shall be entitled to use the spare capacity, if any, after providing for 30% redundancy in the total system created at their cost and the capacities used pursuant to preceding sub-regulation(4), on first come first serve basis, and no additional infrastructural development charges shall be recovered from such an original applicant/developing agency for use of such spare capacity so long as the amount borne by him after excluding the cost of exclusive work(s) and after adjusting the amount of refunds, if any, under succeeding sub-regulations(6), (7) and (8) is more than the minimum amount payable by him as per the sub-regulations (2) and (9) in respect of the total connected load/contract demand sanctioned, including the same sought to be sanctioned under this sub-regulation in his favour, as worked out at the rates for the respective periods in which such loads/demands are sanctioned.

(6) If subsequent application(s) are received within 5 years after the date of commissioning of works executed under sub-regulation (3), for permanent supply of power at a voltage level similar to that for the original applicant(s) under sub regulation (3) and supply of power to such applicant(s) essentially involves usage of such works, on regular basis, the infrastructural development charges, if any, actually recovered from such subsequent applicants for usage of spare capacity as quantified in accordance with sub-regulation (8) shall be refunded, on pro-rata basis, to the original applicant(s) under sub regulation (3), who had borne the full cost, to the extent of permissible amount of refund under succeeding sub-regulations (7) and (8) :

Provided that if the provision for supply to such new applicant (s) require execution of certain additional infrastructural works, apart from the usage of the facilities/works created at the cost of original applicant(s) under sub-regulation (3), the cost of such additional works shall first be deducted from the infrastructural development charges recovered from such new applicant (s) and only the balance amount, if any, out of the amounts recovered from such new applicants, shall be refunded, on pro-rata basis, to the original applicant(s) who had borne the entire cost.

(7) The maximum permissible amount of refund to any original applicant under sub-regulation (3) shall not exceed the amount actually paid by him in excess of the summation of the following :-

(i) the infrastructural development charges under sub- regulations (2) and (9) on the total connected load/contract demands sanctioned originally and including those availed subsequently by the same applicant, under sub-regulation (5), at the rates applicable for the respective periods in which such loads/demands are sanctioned; and

(ii) the cost of works, including the bays required at the existing and /or new sub-stations, as may be executed or required to be executed exclusively for facilitating, control and or supply of power to such applicant or group of applicants:

Provided that such applicant(s) shall not be entitled to any interest on any part of the amount paid by them in respect of the period between date of payment and refund, if any.

(8) For the purpose of these Regulations, the spare capacity shall be determined with reference to the capacity of all main components of the works referred to in sub-regulation (3), including line(s) and transformer(s), and only such spare capacity as is concurrently available in all the components, after providing for 30% redundancy in each of the components, shall be taken as the spare capacity:

Provided that in case of EHT works the spare capacity may be determined separately for the two main components i.e. EHT line(s) and EHT Substation(s) after providing for 30% redundancy in each of the said components and in that case, the amounts paid by each original applicant under sub regulation (3) as well as the entitlements under the preceding sub-regulations (4), (5), (6) and (7) shall be determined separately with reference to the actual costs of the two main components i.e. EHT line(s) and EHT sub-station(s) and the spare capacity available in the said two components.

(9) In case of the exclusive works under sub-regulation (2) or of any of theworks under sub-regulation (3), the recovery of cost shall be made initially on the basis of estimated cost which shall be subject to additional recoveries or refunds, as the case may be, in the same manner as outlined in sub-regulations (2) and (3) of regulation 18 of these Regulations.

6. Electrification of colonies and complexes etc.—(1)In cases involving electrification of the areas developed and/or sponsored by the development agencies, like the Himachal Pradesh Housing and Urban Development Authority, Private Developers, Universities, Educational Institutions, the Himachal Pradesh Small Industries Development Corporation and the Housing Societies and the like, the developing agency shall bear the entire charges and/or costs for the infrastructural development under sub-regulations (2) and (9), or sub-regulations (3) and (9), of regulation 5, whichever are applicable, and the licensee shall take up the execution of such works only after receiving the entire amounts, excepting those for the adjustments for the difference between estimated costs and actual costs under subregulation(9) of regulation 5:

Provided that in case the developing agency bears the entire cost of the works under sub-regulations (3) and (9) of regulation 5, the provisions of subregulation (4) to (8) of Regulation 5 shall also be applicable.

(2) The licensee shall recover the cost of service lines and other works for the individual connections from the individual applicants under regulation 4 and/or regulation 17:

Provided that the licensee shall make adequate provisions for distribution mains and works in the estimates for the infrastructural works under sub-regulation (1) in a manner that the service lines required for the individual applicants are as short as reasonably feasible.

7. Recovery of expenditure for additional loads.—(1) Save as provided in sub-regulation (2), where an existing consumer availing permanent connection for electricity applies for additional connected load or contract demand, as the case may be, in excess of the connected load or contract demand, already sanctioned in his favour, the recovery shall be made as under:-

(a) in relation to the expenses/charges for the cost of service line under regulation 4 -

(i) if the existing service line has sufficient spare capacity, after meeting the requirements of all the connections released and/or committed to be released through the same service line and redundancy of about 30% of the total capacity of such line, no additional cost shall be recovered for the service line;

(ii) if sufficient spare capacity is not available, in accordance with the preceding sub-clause (i), in the service line for meeting the additional connected load or contract demand, the cost of strengthening the existing service line, or of providing a new service line, shall be recovered from the applicant:

Provided that the cost to be recovered under sub-clause (ii) shall not exceed the cost of providing a new service line for the total connected load or contract demand under regulation 4 of these Regulations;

(b) in relation to the infrastructural development charges under regulation 5 :-

(i) if the supply voltage for the total load remains unchanged as per the standard supply voltages fixed by the Commission under the applicable Tariff Order of the Commission and the provisions of subregulation (3) of regulation 5 are not attracted, then, subject to succeeding sub-clause (iii), such charges shall be recovered only for the additional connected load/contract demand in accordance with sub-regulations (2) and (9) of regulation 5, regulations 14 and 15 of these Regulations ; and

(ii) if the supply voltage gets changed, but provisions of sub-regulation (3) of regulations 5 are not attracted, then the recoverable amount shall be worked out and recovered in accordance with subregulations (2) and (9) of regulation 5 for the total revised connected load or contract demand, as the case may be, sanctioned at the new voltage; and

(iii) if the supply of additional connected load or contract demand, as the case may be, requires execution of works referred to in subregulation(3) of regulation 5, the recovery shall be made for the total revised load or contract demand, as the case may be, in accordance with the provisions of the sub-regulations (3) and (9) of regulation 5;

(2) In case of reduction of the connected load or contract demand, by a consumer.-

(i) the licensee shall maintain adequate spare capacity in the service line for a period of 365 days reckoned from the date of such reduction, so as to meet the load if the said consumer subsequently applies for restoration of his connected load or contract demand so reduced, during the said period of 365 days;

(ii) the infrastructural development charges leviable under sub- clause (i) of clause (b) of sub-regulation (1) shall be charged only for the additional quantum of connected load or contract demand, exceeding the total quantum which was being availed by him prior to such reduction, if the said consumer subsequently applies for restoration of his connected load or contract demand so reduced, during the said period of 365 days;

(3) Where a consumer having temporary connection for electricity seeks a permanent connection, the matter shall be dealt with in accordance with respective provisions for disconnection of temporary connection under regulation 8 and for providing a new connection under relevant provisions of these Regulations.

8. Temporary Supplies.—Notwithstanding anything to the contrary contained in these Regulations, but subject to the prior payment of initial security deposit in the case of temporary

supplies and the estimated cost of the works required to be executed for giving such supply, the requisite works shall be executed by the licensee subject to adjustments based on actual cost including the cost of material, labour and departmental charges :

Provided that in case an applicant/consumer for temporary supply of power seeks revision of sanctioned connected load/contract demand, he shall be required to pay estimated cost of additional works and/or of strengthening of existing works, if any, which shall also be subject to adjustments based on actual cost, and the difference in security amount on account of such revision of connected load/demand shall also be payable/refundable as the case may be in accordance with other Regualtions:

Provided further that in case the works so executed are dismantled after discontinuance of supply, the cost of the material removed shall, after taking into consideration its condition, be reduced from the costs recovered from the applicant under this regulation and the balance amount, if any, after adjusting any other dues against the applicant/consumer shall be refunded to him:

Provided further that if the works or a part thereof are not dismantled and the distribution licensee uses the same for some other purposes, the applicant shall bear only 30% of the actual cost of such works as are not dismantled and the accounts shall be settled accordingly:

Provided further that where the licensee refunds the amount so worked out, after making adjustment of the outstanding amount due to him by the applicant/consumer, within a period of thirty days, no interest shall be paid to the applicant/consumer.

9. Withdrawal of application before release of connection.—In case of withdrawal, or deemed withdrawal, of an application by the applicant for supply of power before actual release of connection, the expenses actually incurred for the works for providing supply under regulations 4, 5, 6 and 7 for permanent supply and under regulation 8 for temporary supply, shall be adjusted as per the provisions of the Supply Code:

Provided that for the purpose of such adjustment, actual expenditure for the works under regulations 4, 5, 6 and 7 for permanent supply and under regulation 8 for temporary supply shall be computed as under :-

(i) the actual expenditure (including departmental charges) incurred on the service lines and other works under regulation 4 shall be considered in addition to the expenses determined as per the succeeding clauses of this proviso;

(ii) in cases involving works under sub-regulation (3) of regulation 5, the actual expenditure (including departmental charges) of such works or 10% of the infrastructural development charges at the normative rates under subregulation (2) of regulation 5, whichever of the two is higher, shall be considered in addition to the expenditure mentioned in the preceding clause (i) of this proviso;

(iii) in cases where the works under sub-regulation (3) of regulation 5 are not involved, an amount equal to 10% of the amount of infrastructural development charges worked out at the rates fixed by the Commission pursuant to sub-regulation (2) of regulation 5 shall also be considered as the actual expenses in addition to the expenditure mentioned in clause (i) of this proviso;

(iv) in cases involving exclusive work(s) for faciliting supply of power as per the fifth proviso to sub-regulation (2) of the regulation 5, the actual expenditure on such

exclusive works shall also be considered in addition to preceding clauses (i), (ii) and (iii) of this proviso;

(v) in cases of applications for additional connected loads or contract demands under regulation 7 of these Regulations, the computations and adjustments shall be done separately for the respective works falling under regulation 4 and regulation 5 or regulation 6, based on the demand notice issued pursuant to the provisions of regulation 7; and

(vi) in case of temporary supplies, including for additional connected loads/contract demands for temporary supplies, under regulation 8, the actual expenditure on the works required to be executed for giving such supply or additional connected loads/contract demands shall be considered.

10. Restoration of Supply after Permanent Disconnection.—In case the supply to a premises having permanent connection of electricity has been permanently disconnected in accordance with the provisions of the Supply Code and the original consumer or some other person applies for a connection at such premises, the distribution licensee shall provide supply within the time allowed for a new connection after recovery of expenses applicable for new connections under these Regulations :

Provided that if the service line to such premises has not been removed or used for release of other connections and is in a good condition and also has sufficient spare capacity, after meeting the requirements of all the connections released or committed to be released through the same service line and redundancy of about 30% of the total capacity of such line, to cater to the connected load or contract demand applied for by such applicant, the cost of service line under regulation 4 shall not be recovered and the connection shall be released at the earliest subject to other conditions applicable for release of new connections:

Provided further that in case of such applicants, the amounts worked out under regulation 5 and other Regulations of the Commission shall be recoverable in the same manner as applicable for new connections:

Provided further that if –

(i) the application for such new connection is for a similar connected load or contract demand and supply voltage, as had been sanctioned for the original connection;

(ii) the application from the new applicant is received simultaneously or within 60 days from the date on which the original connection was permanently disconnected;

(iii) the provisions of sub-regulation (3) of regulation 5 are not attracted; and

(iv) the applicant clears all outstanding dues, if any, against such previous connection which has been permanently disconnected;

the amount of infrastructural development charges and other costs payable by the applicant for the connected load or contract demand applied for, as per the provisions of regulation 5 shall be reduced by 90% of the amount of the infrastructural development charges worked out at the normative rates under sub-regulation (2) of regulation 5 for the connected load/ contract demand originally sanctioned or for the same applied for by the new applicant, whichever of the two is lower:

Provided further that if-

(i) the application from the new applicant is received after a period of 60 days from the date on which original connection is permanently disconnected; and

(ii) all other conditions, other than condition (ii) as per the third proviso to this regulation are fulfilled:

the percentage rate of such rebate as per the third proviso of this regulation shall be reduced by 5% for every period of 30 days or part thereof after the expiry of initial period of 60 days:

Explanation.—If the application for the new connection is received by the licensee on or after 61st day but upto and inclusive of 90th day from the date of permanent disconnection, the rebate under the fourth proviso to this regulation shall be allowed @ 85% of infrastructural development charges worked out at the normative rate as per sub-regulation (2) of regulation 5 for the connected load/contract demand originally sanctioned or for the same applied for by the new applicant, which ever of the two is lower, and so on for every subsequent block of 30 days till such time the rate of rebate becomes zero:

Provided further that the rebate admissible as per the third and fourth provisos to this regulation shall be applicable only on the amount of infrastructural development charges worked out at normative rates under sub-regulation (2) of regulation 5 and not on any other charges/costs as may be recoverable in accordance with the second proviso to this regulation.

11. Maintenance of works.—(1) Notwithstanding anything contained in any other law for the time being in force, all the works erected for providing supply in pursuance of requisition by the applicant, or any portion thereof, which may have been paid for by the applicant making requisition, shall be maintained by the licensee and the licensee shall also have the right to supply electricity to any other prospective applicants or the consumers, through the said works and the said works shall become the property of the licensee.

(2) The interface point of commencement of supply, as determined under the provisions of the Supply Code and the relevant agreements, shall constitute the liability between the licensee and the consumer/ applicant.

12. **Departmental Charges.—**The expenses recoverable by the licensee under these regulations shall also include the licensee's departmental charges at the rate of 11% of the cost of works.

Explanation.—For the purposes of these regulations, the expression "departmental charges" shall include establishment charges, tools and plant charges, audit and accounts charges, maintenance during construction, loss on stock, design charges and head office prorata expenses.

13. **Standard cost data.—**(1) The distribution licensee shall, after inviting public objections, submit, on an annual basis, to the Commission for its scrutiny, by 30th September of each year, a cost data book (including departmental charges) duly approved by its Board of Directors/competent authority, which it proposes to adopt for the subsequent financial year, and publish the standard cost data book by 15th November of each year, after attending to the observation or directions, if any, of the Commission, and the same shall form the basis for approving the average or normative rates as per these regulations and also for making the initial estimates for erection of electric lines and/or electrical plants and/or any other works to be executed

in order to provide supply to the applicants in cases where the cost is to be recovered on actual basis:

Provided that the licensee shall submit the cost data for the period ending 31st March 2013 within thirty days from the date on which these regulations come into force.

(2) The distribution licensee shall upload the standard cost data, published under sub regulation (1), on its website and also make available the copies of the same to any interested person on demand at a reasonable charge.

14. Schedule of Service Connection Charges.—(1) The distribution licensee shall, within sixty days from the date of commencement of these regulations or within sixty days from the grant of license, whichever is later, file, with the Commission for approval, a schedule of service connection charges to be levied for the matters contained in these regulations and such other related miscellaneous activities, not covered elsewhere, as are required to be undertaken by the distribution licensee to fulfill its obligations to supply electricity to the consumers under the Act:

Provided that the distribution licensee shall also file the schedule of service connection charges alongwith every application for determination of tariff under section 64 of the Act together with such particulars as the Commission may require:

Provided further that while preparing the schedule of service connection charges, the standard cost data as per the sub regulation (2) of Regulation 13, shall be taken into account.

(2) The Commission shall, after examining the schedule of service connection charges filed before it by a distribution licensee under sub- regulation (1), may-

(i) issue an order granting its approval thereon, with such modifications or such conditions as may be prescribed in that order; or

(ii) reject the schedule of service connection charges filed before it for reasons to be recorded in writing if it is not in accordance with the provisions of the Act and/or these Regulations:

Provided that the Commission shall reasonably consider the views of all interested parties before approving, modifying or rejecting the schedule of service connection charges of a distribution licensee under this sub- regulation:

Provided further that the schedule of service connection charges approved by the Commission shall, unless otherwise amended or revoked, continue to be in force for such period as may be prescribed in the order of the Commission granting such approval and also for such extended period as may be approved by the Commission.

(3) Any deviation from the approved schedule of service connection charges shall be only with the prior approval of the Commission.

15. Provisional Schedule of the Service Connection Charges.—(1) Notwithstanding anything to the contrary contained in these Regulations, the Commission may notify provisional schedule of service connection charges to be levied for any of the activity/activities required to be undertaken by the distribution licensee to fulfill its obligations to supply electricity under the Act and the Regulations framed thereunder.

(2) Each provisional schedule of service connection charges notified under subregulation (1) shall be for a period of one hundred and eighty days and shall, unless extended by the Commission, cease to be valid and effective on the expiry of period of one hundred and eighty days or the date on which the order approving the schedule of service connection charges is issued under regulation 14, whichever is earlier.

(3) The amount charged under the provisional schedule of service connection charges notified under sub-regulation(1) shall be adjusted against the amount chargeable under the schedule of service connection charges approved by the Commission under regulation 14:

Provided that where the provisional amount charged exceeds the amount chargeable under the schedule of service connection charges approved under regulation 14, the licensee shall pay simple interest @6% per annum on the excess amount so charged for the actual number of days falling between the date of the receipt of such excess amount and the date of adjustment of such amount:

Provided further that such excess amount, alongwith simple interest @ 6% per annum, shall be adjusted within ninety days from the date of Commission's order approving the schedule of service connection charges under regulation 14, failing which the defaulting licensee shall, in addition to the excess amount and simple interest @ 6% per annum upto the permitted period of ninety days , also be liable to pay simple interest @ 12% per annum on the excess amount, for the period till the date of such adjustments beyond the permitted period of ninety days:

Provided further that where the amount charged on provisional basis is less than the amount chargeable under the schedule of service connection charges approved by the Commission under regulation 14, the beneficiaries shall pay, within 30 days of its billing by the licensee, the same alongwith simple interest @6% per annum on the deficit amount for the actual number of days falling between the date on which the provisional payment was made and the date of payment of such deficit amount:

Provided further that in case the deficit amount, alongwith simple interest @6% per annum, is not paid by the concerned beneficiary within thirty days from the date of its billing by the licensee, the defaulting beneficiary shall, in addition to the deficit amount and the simple interest @ 6% per annum upto the date on which the permitted period of 30 days expires, be also liable to pay simple interest @ 12% per annum on the deficit amount, for the period till the date of such payment(s) beyond the permitted period of 30 days and the same shall further be without prejudice to this licensee's right to disconnect supply to the consumer after giving a notice of atleast 30 days.

16. Accounting of the amounts recovered.—The amounts recovered by the distribution licensee under various provisions of these Regulations on various accounts for supply at different voltage levels shall be accounted for separately as capital receipts under separate accounting heads and sub-heads for permanent and temporary connections and also each type of charges as well as for each category of voltage level and shall, subject to the provisions of sub-regulations (5), (6), (7) and (8) of regulation 5, be used exclusively for meeting a part of the capital expenditure under the capital expenditure plan:

Provided that such capital receipts shall, as far as possible, be utilized in an equitable proportion of the estimated cost of various works of the respective categories and respective voltage levels:

Provided further that the capital receipts in respect of the works required exclusively for an applicant or group of applicants shall be used for such exclusive works only.

17. Execution of works.—The service lines and other works required for supplying power to the applicant(s) shall normally be executed by the distribution licensee:

Provided that the applicant or the consumer, as the case may be, may, with the prior approval of the distribution licensee which shall ordinarily not be refused, execute the service line through an electrical contractor licensed by the Electrical Inspector, and in such cases, the following provisions shall apply-

(i) all the requisite clearances under various laws shall be obtained by the applicant;

(ii) the applicant shall be liable to pay the departmental charges @ 6.25% of the estimated cost for the specific works or of the corresponding amount worked out by accounting for the average/normative rates, if approved by the Commission under regulation 4, whichever is higher;

(iii) such option shall be available to the applicant only for the service line to be executed exclusively for the applicant; and

(iv) works other than service line shall be executed by the distribution licensee unless mutually agreed otherwise by the distribution licensee with the applicant, on mutually agreed terms and conditions.

Note.—The provisions under the first proviso to this regulation shall also apply for execution of service lines to be executed exclusively for a group of applicants or consumers, as the case may be, if all the members of such group enter into an agreement amongst themselves and nominate their representative who shall then deal with the distribution licensee for such matters.

18. Differential Costs.—(1) The distribution licensee shall recover the expenses and/or charges for giving electricity connections to the applicants as per the provisions of these Regulations and any other additional expenses, as are not recoverable from the applicants under any Regulations or Law, shall be met out of the approved financial provisions of the capital expenditure plan.

(2) In cases where the cost of certain works is to be recovered from the applicant or group of applicants initially on the basis of estimate and such recovery is subject to adjustment as per actual as per the provisions of these regulations, the following provisions shall apply:-

(a) the estimate shall be prepared on the basis of the standard cost data as per sub regulation (2) of Regulation 13; and

(b) the licensee shall, within ninety days of commissioning of the works, render to the applicant/consumer, the account of expenditure showing the excess or deficit in relation to the initial estimated amount giving details of item wise estimation and actual expenditure alongwith the item wise figures of variance to the extent possible and if applicant requires any additional information, the distribution licensee shall furnish the same within ten days of receipt of such requisition.

(3) The distribution licensee shall recover or refund, as the case may be, the difference between the actual expenditure and the estimated cost within 60 days from the submission of account and the unrefunded or unrecovered amounts, as the case may be, shall attract simple interest @ 12% per annum for the period beyond the said limit of 60 days.

19. Way-leaves, Consents and Acquisitions.—(1) Subject to the provisions of the rules framed by the State Government under sub-section (2) of section 67 and clause (b) of subsection (2) of section 180, of the Act, the licensee shall try to obtain any way leaves, consents and acquisitions required for placing of any wires, poles, wall brackets, stays apparatus and appliances for the carrying electricity, or for the transmission of telegraphic or telephonic communications necessary for proper coordination of the works of the licensee while giving connection to the applicant:

Provided that in cases where the cost of works is to be recovered from the applicant on actual basis, the cost of obtaining the permissions shall also be recovered on actual basis and in cases where the recovery is to be made at normative rates, the cost of obtaining such permissions shall be borne by the licensee:

Provided further that where wires are to pass over other person's land, premises or building, the wires shall be routed along the boundary lines of the said land, set back of the building, streets and roads, whichever is feasible.

(2) The applicant/consumer shall provide required space within his premises for transformer and associated equipments including metering arrangements, if so required by the licensee at any stage.

20. Manner of Payments.—The applicant shall, before the commencement of work of laying service line under regulation 4 and any other works for which the entire cost of the works is required to be paid by him as per the provisions of these regulations, deposit on notice of demand, the entire amount, not limited to the cost of such works only, payable under these Regulations and all other relevant Regulations.

21. Demand Notice.—Demand notice valid for 90 days shall be sent by the registered AD post to the applicant within the time frame laid down in Himachal Pradesh Electricity Regulatory Commission (Licensee's Duty for supply of Electricity on Request) Regulations, 2004:

Provided that the demand notices to be issued on or after the date of commencement of these regulations shall suitably incorporate the terms and conditions of these regulations, apart from other conditions as per other Regulations and Codes of the Commission:

Provided further that if any of the terms and conditions of these regulations remain unaccounted for in any of the demand notices issued on or within 90 days from the date on which these regulations come into force, the licensee may revise the same, so as to incorporate the terms and conditions as per these Regulations and the Act:

Provided further that the demand notices issued prior to commencement of these Regulations and/or the demands still to be raised against the loads/demands released prior to commencement of these Regulations, shall continue to be governed by the Himachal Pradesh Electricity Regulatory Commission (Recovery of Expenditure for Supply of Electricity) Regulations, 2005 and other relevant Regulations and Codes of the Commission, but not including these Regulations, unless the Commission issues any specific order in this regard:

Provided further that in case of non-compliance of the demand notice within the period mentioned in such notice or within such period as may be mutually agreed between the licensee and the applicant, the application, against which the demand notice had been issued, shall be treated as withdrawn and the matter shall be further dealt with in accordance with relevant governing Regulations and Codes of the Commission.

22. Power to remove difficulties.—If any difficulty arises in giving effect to any of the provisions of these regulations, the Commission may, suo motu or on an application, by general or special order, take suitable action or direct the distribution licensee to take such suitable action not being inconsistent with the Act which, in the opinion of the Commission, is necessary or expedient for removing such difficulties.

23. Issue of orders and practice directions.—Subject to the provisions of the Act and these Regulations, the Commission may, from time to time, issue orders and practice directions in regard to the implementation of these regulations and the procedures to be followed on various matters for which the Commission has been empowered by these Regulations or the Act to lay down and also for the matters incidental or ancillary thereto.

24. Inherent power of the Commission.—(1) Nothing in these Regulations shall be deemed to limit or otherwise affect the inherent powers of the Commission to make such orders as may be necessary for meeting the ends of justice or to prevent the abuse of the process of the Commission.

(2) Nothing in these Regulations shall bar the Commission from adopting a procedure, which is at variance with any of the provisions of these regulations, if the Commission, in view of the special circumstances of a matter or class of matters and for reasons to be recorded, in writing, deems it necessary or expedient.

(3) Nothing in these Regulations shall, expressly or impliedly, debar the Commission to deal with any matter or exercise any power under the Act for which no regulations have been framed and the Commission may deal with such matters, powers and functions in a manner it thinks fit.

25. Repeal and Savings.—(1) Save as otherwise provided in these Regulations, the Himachal Pradesh Electricity Regulatory commission (Recovery of Expenditure for supply of Electricity) Regulations, 2005 are hereby repealed.

(2) Notwithstanding such repeal-

(a) anything done or any action taken or purported to have been done or taken including any appointment made or any document or instrument or any direction given under the repealed regulations, shall be deemed to have been done, taken, made or given or purported to have been done, taken made or given under the corresponding provisions of these Regulations; and

(b) all orders made and documents executed before the commencement of these Regulations, shall continue to apply for the period for which such order has been made or the document has been executed.

By order of the Commission

Sd/-
Secretary.

उच्चतर शिक्षा विभाग

अधिसूचना

शिमला–2, 14 मई, 2012

संख्याः ई0डी0एन0–ए–ख (3) 3 / 98–पार्ट– ।।.–हिमाचल प्रदेश की राज्यपाल, भारत के संविधान के अनुछदे 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के परामर्श से, इस विभाग की अधिसूचना संख्याः ई0डी0एन0–ए–ख (3) 3 / 98–पार्ट– ।। तारीख 20 सितम्बर, 2010 द्वारा अधिसूचित हिमाचल प्रदेश उच्चतर शिक्षा विभाग, स्नातकोत्तर अध्यापक, वर्ग–III (अराजपत्रित) भर्ती और प्रोन्नति नियम, 2010 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती हैं, अर्थात :–

1. **संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.–**(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश उच्चतर शिक्षा विभाग, स्नातकोत्तर अध्यापक, वर्ग–III (अराजपत्रित), भर्ती और प्रोन्नति (द्वितीय संशोधन) नियम, 2012 हैं।

(2) ये नियम राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत होंगे ।

2. **उपाबन्ध 'क' का संशोधन.–**हिमाचल प्रदेश, उच्चतर शिक्षा विभाग, स्नातकोत्तर अध्यापक वर्ग–III (अराजपत्रित) भर्ती और प्रोन्नति नियम, 2010 के उपाबन्ध –"क" में, स्तम्भ संख्या 10 के सामने विद्यमान उपबन्धों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा अर्थातः–

''(i) पचास प्रतिशत प्रोन्नति द्वारा :

परन्तु स्नातकोत्तर अध्यापक (इन्फोर्मेटिक्स प्रैक्टिसीज) की प्रोन्नति की दशा में, यदि उपयुक्त अभ्यर्थी उपलब्ध नहीं हों तो उक्त पदों को, शतप्रतिशत सीधी भर्ती के माध्यम से यथास्थिति, नियमित आधार पर या संविदा के आधार पर भर्ती द्वारा भरा जाएगा । संविदा पर नियुक्त कर्मचारी स्तम्भ 15–क में दी गई उपलब्धियां प्राप्त करेंगे और उक्त स्तम्भ में यथा विर्निदिष्ट सेवा शर्तों द्वारा विनियमित होंगे :

परन्तु स्नातकोत्तर की उपाधि में सम्बद्ध विषय में और व्यावसायिक अहर्ता के रूप में शिक्षा स्नातक (बी0 एड0) की उपाधि में अंकों की न्यूनतम प्रतिशतता उन अभ्यर्थियों को लागू नहीं होगी, जो विभाग में प्रशिक्षित स्नातक अध्यापकों (टी0जी0टी0) के रूप में 19–8–2011 से पूर्व कार्यरत / लगाए गए हैं।

(ii) पचास प्रतिशत सीधी भर्ती द्वारा, यथास्थिति, नियमित आधार पर या संविदा के आधार पर भर्ती द्वारा । संविदा पर नियुक्त कर्मचारी स्तम्भ 15–क में दी गई उपलब्धियां प्राप्त करेगा और उक्त स्तम्भ में यथा विर्निदिष्ट सेवा शर्तों द्वारा विनियमित होगा।

आदेश द्वारा,
हस्ताक्षरित / –
सचिव (शिक्षा)।

————————

[Authoritative English text of this Department Notification No.EDN-A-Kha(3)-3/98-Part-II dated 14.5.2012 as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India].

HIGHER EDUCATION DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-171002, 14th May, 2012

No. EDN-A-Kha(3)-3/98-Part-II.—In exercise of the powers conferred by provision to Article 309 of the Constitution of India, the Governor, Himachal Pradesh, in consultation with Himachal Pradesh Public Service Commission, is pleased to make the following Rules further to amend the Himachal Pradesh, Higher Education Department, Post Graduate Teacher, Class-III(Non-Gazetted) Recruitment and Promotion Rules, 2010 notified vide this Department notification of even number No.EDN-A-kha(3)-3/98-Part-II dated 20th Sept.2010; namely:-

1. Short Title and Commencement.—(1) These rules may be called the Himachal Pradesh Higher Education Department, Post Graduate Teacher, Class-III (Non-Gazetted), Recruitment and Promotion (2nd Amendment) Rules, 2010.

(2) These rules shall come into force from the date of publication in the Rajpatra, Himachal Pradesh.

2. Amendment of Annexure-A.—In Annexure-A to the Himachal Pradesh, Higher Education Department, Post Graduate Teacher, Class-III (Non-Gazetted) Recruitment and Promotion Rules, 2010 for the existing provisions against Col.No.10 the following shall be substituted namely:-

(i) 50 % by Promotion.

Provided that in case of promotion of PGT(Informatics Practices), if suitable candidate(s) are not available, then the said post shall be filled up 100% through direct recruitment on a regular basis or by recruitment on contract basis, as the case may be. The contract employees will get emoluments as given in Column 15-A and will be governed by service conditions as specified in the said column.

Provided that minimum Percentage of marks in Master's Degree in the subject concerned and in Bachelor of Education (B.Ed) degree as professional qualification would not be applicable to those who have been working/ engaged with the Department as Trained Graduate Teachers (TGTs) prior to 19.8.2011.

(ii) 50 % by direct recruitment on regular basis or by recruitment on contract basis, as the case may be. The Contract employee will get emoluments as given in Col. 15-A and will be governed by service conditions as specified in the said column.

By order,
Sd/-
Secretary(Education).

LABOUR & EMPLOYMENT DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-171002, 16th May, 2012

No. Shram (E) 3- 14/ 2002 (Estt.).—The Governor, Himachal Pradesh, in pursuance of the directions of the Hon'ble High Court of Himachal Pradesh in CWP No. 8414 of 2008 dated 06-12-2010 and on the recommendations of the review DPC is pleased to promote the following Officials of the Department of Labour & Employment, as District Employment Officers in the pay scale of Rs. 7000-10980 (Pre-revised) Class-II, (Gazetted) on regular/Temporary basis from the date(s) indicated against their names:-

Sl. No.	Name of the Official(s)	Category to which belong	Date of promotion		Remarks
			Notional	Actual	
1.	Sh. Chuhar Singh	Supdt. Grade-II	26-03- 02 (On regular basis)	From the date of actual joining	Also recommended by the DPC held on 15-03-2002 against the sanctioned strength of DEOs and joined earlier in compliance of Notification dated 26-03-2002.
2.	Smt. Nirmla,	S.A.	-do-	-do-	-do-
3.	Smt. Sangeeta Gupta	-do-	- do-	-do-	-do-
4.	Sh. Ramesh Chand Katoch	-do-	- do-	-do-	-do-
5.	Sh. Gurdas Kalta	-do-	- do-	-do-	-do-
6.	Sh. Yog Raj	-do-	- do-	-do-	-do-
7.	Sh. Satish Kumar Sharma	-do-	26-03-02 (On temporary basis)	Till Leaving the Deptt.	Recommended in review DPC against the post of Regional Employment Officer and left the department on 7-12-2002.
8.	Sh. Joginder Singh	E.O.	26-03-02 (On temporary basis)	From the date of actual joining.	Against the post of R.E.O. and position emerges due to review DPC. Also already recommended by the DPC held during the year, 2004 and joined the post of D.E.O. in compliance of Notification dated 12-07-2004.
9.	Sh. Prem Singh, (S.T.)	E.O.	26-03-02 (On temporary basis)	-do-	Against the post of R.E.O. and position emerges due to review D.P.C. held on 15-03-2002 and joined the post of D.E.O. in compliance of Notification dated 26-03-2002.
10.	Sh. Pritam Chand	S.A.	26-03-02 (On temporary basis)	-do-	Against the post of R.E.O. as recommended by the review D.P.C.
11.	Sh. V.P. Rana	S.A.	-do-	-do-	-do-
12.	Sh. R.C. Gupta	Supdt. Grade-II	-do-	Till the date of superannuation	Against the sanctioned strength of D.E.O.s

1. The Governor, Himachal Pradesh is further pleased to order that officers who are already holding the post of Distt. Employment Officer will continue on the same place and posting of following District. Employment Officer will be as under:-

Name of Officer	**Place of Posting**
1. Sh. Pritam Chand, DEO	Distt. Employment Office, Chamba against vacant post.
2. Sh. V.P. Rana, DEO	Distt. Employment Office, Keylong(L&S) against vacant post.

By order,
Sd/-
Pr. Secretary. (Labour & Employment).

प्रशासनिक सुधार विभाग

अधिसूचना

शिमला–2, 23 मई, 2012

संख्या पी ई आर(ए आर)ए(3)–2/98–11.––हिमाचल प्रदेश की राज्यपाल, सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 की धारा 27 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हिमाचल प्रदेश सूचना का अधिकार नियम, 2006 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात :–

1. **संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.**––(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रेदेश सूचना का अधिकार (पांचवां संशोधन) नियम, 2012 है ।

(2) ये नियम, राजपत्र हिमाचल प्रदेश में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे ।

2. **नियम 5 का संशोधन.––**हिमाचल प्रदेश सूचना का अधिकार नियम, 2006 के नियम 5 के उप नियम (1) में क्रम संख्या 5 के पश्चात निम्नलिखित अन्तः स्थापित किया जाएगा, अर्थात :–

''**6 सूचना का प्रदाय करने के लिए डाक महसूल.**––भारतीय डाक–तार विभाग की अपेक्षा के अनुसार।''

आदेश द्वारा,
भारती एस सिहाग,
प्रधान सचिव (प्रशासनिक सुधार)।

[Authoriatative English Text of this Department Notification No. Per(AR)A (3)-2/98-II Dated as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India].

ADMINISTRATIVE REFORMS ORGANIZATION

NOTIFICATION

Shimla-2, the 23rd May, 2012

No. Per (AR) A(3)-2/98-Vol.-II.—In exercise of tahe powers conferred by sub-section (2) of section 27 of the Right to Information Act, 2005 the Governor of Himachal Pradesh is pleased to make the following rules further to amend the Himachal Pradesh Right to Information Rules, 2006, namely:-

1. Short title and Commencement.—(1) These rules may be called the Himachal Pradesh Right to Information (5th amendment) Rules, 2012.

(2) They shall come into force on the date of their Publication in the Official Gazette.

2. Amendment of rule 5 of rule 5 of the Himachal Pradesh.—In sub-rule (1)

Right to Information Rules, 2006 after serial No. 5, following shall be inserted namely:-

"6.Postal charges for Supplyijng the information.—As per requirement of the Indian Post and Telegraph Deptt."

By order,
BHARATHI S. SIHAG,
Principal Secretary (AR).

ब अदालत श्री रमन गरसंन्गी, कार्यकारी दण्डाधिकारी, तहसील मनाली, जिला कुल्लू, हिमाचल प्रदेश

श्री योग राज पुत्र श्री शिव राम, निवासी गांव शेगली, डाकघर बड़ग्रा, तहसील मनाली, जिला कुल्लू, हिमाचल प्रदेश।

बनाम

आम जनता

विषय.––दरख्वास्त बराए नाम की दरुस्ती करने बारे।

नोटिस बनाम आम जनता।

श्री योग राज पुत्र श्री शिव राम, निवासी गांव शेगली, डाकघर बड़ग्रा, तहसील मनाली, जिला कुल्लू, हिमाचल प्रदेश ने इस न्यायालय में आवेदन–पत्र मय शपथ–पत्र गुजारा है कि उसके पुत्र का नाम ग्राम पंचायत पनंगा के परिवार रजिस्टर व जन्म प्रमाण–पत्र में चक्रधर दर्ज है। जिसकी वह दरुस्ती करके चांद ठाकुर रखना चाहता है। जिसे अब दर्ज करवाने के आदेश दिए जावें। आवेदक ने ब्यान हल्फिया दिया है कि उसके पुत्र का नाम ग्राम पंचायत में चक्रधर के स्थान पर चांद ठाकुर दर्ज किया जावे।

अतः सर्वसाधारण को इस इश्तहार द्वारा सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को चांद ठाकुर का नाम बदलने बारे आपत्ति हो तो वह दिनांक 18–6–2012 को या इससे पूर्व अदालत हजा में अपनी आपत्ति दर्ज करवा सकता है। इसके उपरान्त कोई भी उजर व एतराज समायत न होगा तथा नियमानुसार उक्त व्यक्ति का नाम बदलने के आदेश पारित कर दिए जाएंगे।

आज दिनांक 14–5–2012 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत द्वारा जारी हुआ।

मोहर। रमन गरसंन्गी,
कार्यकारी दण्डाधिकारी,
तहसील मनाली, जिला कुल्लू, हिमाचल प्रदेश।

———————

नाम परिवर्तन

मैं, भूतपूर्व सैनिक एक्स नं0 290323 एल रैंक जेडब्ल्यूओ (JWO) दिवान सिंह पुत्र श्री रूपलाल, गांव घरोली, डाकघर नित्थर, तहसील निरमण्ड, जिला कुल्लू (हि0 प्र0) का निवासी हूं। मेरी पत्नी का नाम डिस्चार्ज बुक में गलती से श्रीमती रमीला देवी हो गया है। इसे दरुस्त कर श्रीमती वीना देवी किया जाए।

दिवान सिंह,
गांव घरोली, डाकघर नित्थर,
तहसील निरमण्ड, जिला कुल्लू (हि0 प्र0)।

———————

ब अदालत उपमण्डल दण्डाधिकारी, नालागढ़, जिला सोलन, हिमाचल प्रदेश

श्री गुरदेव सिंह पुत्र श्री सरदारा सिंह, निवासी ग्राम कंगनवाला, तहसील नालागढ़, जिला सोलन, हिमाचल प्रदेश।

बनाम

आम जनता

दावा अन्तर्गत धारा 8 (4) विवाह पंजीकरण अधिनियम, 1996.

इश्तहार बनाम आम जनता।

उपरोक्त मुकद्दमा उनवान वाला में प्रार्थी ने प्रार्थना–पत्र दिया है कि उसकी शादी दिनांक 28–4–2001 को श्रीमती जसवीर कौर पुत्री श्री कर्म चन्द, निवासी गांव भौवाल, तहसील व जिला रोपड़ (पंजाब) के साथ हुई है परन्तु प्रार्थी अपनी शादी का इन्द्राज ग्राम पंचायत ढांग निहली में दर्ज नहीं करवा सका है।

अतः आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्री गुरदेव सिंह पुत्र श्री सरदारा सिंह, निवासी ग्राम कंगनवाला, तहसील नालागढ़ व श्रीमती जसवीर कौर पुत्री श्री कर्म चन्द, निवासी गांव भौवाल, तहसील व जिला रोपड़ (पंजाब) की शादी का इन्द्राज ग्राम पंचायत ढांग निहली में दर्ज करवाने हेतु किसी को कोई एतराज हो तो वह दिनांक 30–5–2012 को इस कार्यालय में उपस्थित आकर एतराज प्रस्तुत कर सकता है अन्यथा दिनांक 30–5–2012 को उक्त शादी के पंजीकरण हेतु आगामी कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

आज दिनांक 9–5–2012 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर। हस्ताक्षरित / –
उपमण्डल दण्डाधिकारी,
नालागढ़, जिला सोलन, हिमाचल प्रदेश।

In the Court of Shri Gurmeet Singh, Naib Tehsildar-cum**-Assistant Collector 2nd Grade, Amb, District Una, Himachal Pradesh**

Shri Vicky Bhardwaj s/o Shri Daulat Ram, V. P. O. Lohara, Tehsil Amb, District Una, Himachal Pradesh.

Versus

General Public

Subject.—Publication regarding correction of name.

Shri Vicky Bhardwaj s/o Shri Daulat Ram, V. P. O. Lohara, Tehsil Amb, District Una, Himachal Pradesh has filed an application alongwith affidavit on dated 15-3-2012 regarding Publication and correction of name before this court. His actual name is Vicky Bhardwaj as per record in the Gram Panchayat Lohara which is correct. His name Vikky which is wrong as per record in the school certificates. The applicant wants to correct his name in revenue record as Vicky Bhardwaj.

The order for the correction of name of applicant in aforesaid record is hereby passed.

Whereas, through this notice, the general public has been made aware that if anyone has objection(s) in this regard, he may file his objection(s) to this court on or before 24-5-2012, failing which it would be presumed that nobody has to say in this regard and further proceedings to attest will be decided as per law on subject.

Issued on 25-4-2012 under my hand and seal of the Court.

Seal

GURMEET SINGH,
Naib Tehsildar-cum-Assistant Collector 2nd Grade,
Amb, District Una, Himachal Pradesh.

नियन्त्रक, मुद्रण तथा लेखन सामग्री, हिमाचल प्रदेश, शिमला–5 द्वारा मुद्रित तथा प्रकाशित